



श्री द्रोण गऊशाला समिति (रजि०), दनकौर द्वारा संचालित

# श्री द्रोणाचार्य (पी.जी.) कॉलिज

—: कॉलिज कोड (038) —:

संचालित पाठ्यक्रम : बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी., (PCM & ZBC), बी.बी.ए., बी.सी.ए.,  
बी.एड, एम.ए., (हिन्दी और अंग्रेजी), एम.कॉम

(सम्बद्धता – चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ०प्र०, NAAC A<sup>++</sup> )

कालिन्दी मार्ग (निकट स्पोर्ट्स सिटी) दनकौर (गौतम बुद्ध नगर) उ०प्र०  
सम्पर्क सूत्र : 8191006001, 8954892270

सत्र - 2024-2025

# एकलव्य वाणी



श्री सरस्वते: नमः

श्री गुरु द्रोणाचार्य: नमः



# श्री द्रोणाचार्य (पी.जी.) कॉलेज

दनकौर, जनपद-गौतम बुद्ध नगर (उ० प्र०)

\*\*\*\*\*



## एकलव्य वाणी

सत्र 2024-2025

\*\*\*\*\*



### —: सम्पादक मण्डल :—

- मुख्य सम्पादक :- डॉ. गिरीश कुमार वत्स (प्राचार्य)  
डॉ. रश्मि गुप्ता (उपप्राचार्या एवं आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक)  
सम्पादक मण्डल सदस्य :- डॉ. देवानंद सिंह (विभागाध्यक्ष एवं सहायक आचार्य)  
डॉ. शिखा रानी (सहायक आचार्य)  
डॉ. अजमत आरा (सहायक आचार्य)  
श्री अजय कुमार (कार्यालय अधीक्षक)

### —: पैतृक संरक्षण :—

- |                                  |                                  |                                  |
|----------------------------------|----------------------------------|----------------------------------|
| राकेश कुमार गर्ग                 | रजनीकान्त अग्रवाल                | मनीष कुमार अग्रवाल               |
| अध्यक्ष                          | सचिव / प्रबंधक                   | कोषाध्यक्ष                       |
| श्री द्रोण गुरुशाला समिति (रजि.) | श्री द्रोण गुरुशाला समिति (रजि.) | श्री द्रोण गुरुशाला समिति (रजि.) |
| दनकौर                            | दनकौर                            | दनकौर                            |

नोट :- एकलव्य वाणी में प्रकाशित सभी रचनाओं में लेखकों के निजी विचार हैं। उनसे संवादन मंडल और श्री द्रोण गुरुशाला की सहमति अनिवार्य नहीं है।



## श्री द्रोण गऊ शाला समिति द्वारा संचालित संस्थाएँ



## प्रबंध समिति सूची

क्रमांक	नाम	पद
1	श्री राकेश कुमार गर्ग	अध्यक्ष
2	श्री मोहित कुमार गर्ग	उपाध्यक्ष
3	श्री रजनीकान्त अग्रवाल	सचिव / प्रबन्धक
4	श्री संजीव कुमार गुप्ता	उपप्रबन्धक
5	श्री मनीष कुमार अग्रवाल	कोषाध्यक्ष
6	श्री सुशील कुमार मांगलिक	सदस्य
7	श्री संदीप जैन	सदस्य
8	श्री मनीष सिंघल	सदस्य
9	श्री संजय कुमार गोयल	सदस्य
10	श्री पंकज गर्ग	सदस्य
11	श्री राजकुमार गोयल	सदस्य
12	श्री मुकुल बंसल	सदस्य
13	श्री मनोज त्यागी	विशिष्ट सदस्य
14	श्री सचिन वर्मा (सोनू)	विशिष्ट सदस्य
15	श्री शशी गर्ग	संरक्षक सदस्य
16	श्री अनिल सिंघल (बी.ओ.बी.)	संरक्षक सदस्य
17	श्री अशोक बजाज	संरक्षक सदस्य
18	श्री पुष्कर आढ़ती	संरक्षक सदस्य
19	श्री प्रेमचन्द विसायती	संरक्षक सदस्य
20	श्री प्रदीप गर्ग	संरक्षक सदस्य
21	श्री अनुपम गोयल	संरक्षक सदस्य
22	श्री सौरभ गोयल	संरक्षक सदस्य
23	श्री विमल कुमार (लाट वाले)	संरक्षक सदस्य
24	श्री शैलेन्द्र गोविल	संरक्षक सदस्य
25	श्री विकास गोयल	संरक्षक सदस्य
26	श्री गोपाल कृष्ण बजाज	संरक्षक सदस्य
27	श्री नरेन्द्र मारवाड़ी	संरक्षक सदस्य
28	श्री आशीष गुप्ता	संरक्षक सदस्य
29	श्री अशोक गोयल	संरक्षक सदस्य
30	श्री राकेश कुमार तायल	संरक्षक सदस्य
31	श्री नरेश गर्ग (लाट वाले)	संरक्षक सदस्य
32	श्री राजीव कुमार	संरक्षक सदस्य
33	श्री हरिओम आढ़ती	संरक्षक सदस्य
34	श्री राज नारायण आढ़ती	संरक्षक सदस्य
35	श्री रोहताश तायल आढ़ती	संरक्षक सदस्य



**डा महेश शर्मा**

सांसद-लोक सभा गौतमबुद्ध नगर, उ.प्र.

**Dr. Mahesh Sharma**

Member of Parliament - Lok Sabha  
Gautambuddha Nagar, U.P.



पूर्व राज्यमंत्री पर्यटन एवं संस्कृति (स्वतंत्र प्रभार),  
नागरिक उड्डयन, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री,  
भारत सरकार

Former Minister of State (I/C) Tourism & Culture,  
Minister of State for Civil Aviation, Environment  
& Forest, Govt. of India

दिनांक :



संदेश

मुझे यह जानकर अत्यन्त हर्ष हो रहा है कि 'श्री द्रोणाचार्य (पी.जी.) कॉलिज, दनकौर' द्वारा एक पत्रिका "एकलव्य वाणी" का प्रकाशन होने जा रहा है। मैं आशा करता हूँ कि इस पत्रिका के माध्यम से छात्र-छात्राओं को विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है तथा छात्र-छात्राओं को मानसिक एवं बौद्धिक रूप से सुदृढ़ बनाने में उपयोगी सिद्ध होगी। पत्रिका के सभी पदाधिकारियों को हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ।

डा० महेश शर्मा  
सांसद-लोक सभा  
गौतमबुद्धनगर उ०प्र०

धीरेन्द्र सिंह

विधायक—जेवर,  
गौतमबुद्धनगर,



पत्रांक नं

दिनांक :

संदेश



मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि 'श्री द्रोणाचार्य (पी.जी.) कॉलिज, दनकौर' अपनी वार्षिक पत्रिका "एकलव्य वाणी" प्रकाशित कर रहा है। मैं आशा व विश्वास करता हूँ कि इस पत्रिका के माध्यम से आम जनसामान्य को जागरूक तथा लाभान्वित करने में मदद मिलेगी। समाज से सम्बन्धित हर खबर की जानकारी प्राप्त होगी तथा अपने लक्ष्य एवं उद्देश्यों में कामयाब होगी।

पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु मेरी तरफ से बहुत-बहुत शुभकामनायें।

धीरेन्द्र सिंह

विधायक—जेवर,  
गौतमबुद्धनगर, उ०प्र०

---

आवास/ऑफिस—रबूपुरा, गौतमबुद्धनगर, पिन कोड:—203209



9412225444,



9458579800,



mlajewar63@gmail.com





# श्री द्रोणाचार्य पी०जी० कॉलिज

कॉलिज कोड - 038

कालिन्दी मार्ग (निकट स्पोर्ट्स सिटी), दनकौर (गौतम बुद्ध नगर), उ०प्र०, 203201

मो.नं. : 8191006001 | ई-मेल : sddcollege97@gmail.com | वेबसाइट : www.sdpg.in

स्थापित वर्ष : 1997

(सम्बद्धता-चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ.प्र., NAAC A")

पत्रांक.....

दिनांक.....

## संदेश



समाज सेवा के क्षेत्र में श्री द्रोण गौशाला समिति (रजि०), दनकौर एक अति महत्वपूर्ण संस्था है। अत्यन्त हर्ष का विषय है कि श्री द्रोण गौशाला समिति (रजि०) द्वारा संचालित, श्री द्रोणाचार्य (पी.जी.) कॉलिज इस वर्ष अपनी वार्षिक पत्रिका "एकलव्य वाणी" का प्रकाशन कर रहा है। इस प्रकार की पत्रिकाएँ संस्था का दर्पण होती हैं, जिसके माध्यम से शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ प्रतिभावान छात्र/छात्राओं एवं सुयोग्य प्राध्यापकों के उपयोगी लेखों का प्रकाशन होता है।

आज परिवर्तन का युग है। राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर अनेक परिवर्तन हो रहे हैं। इन परिवर्तनों के बीच प्रत्येक व्यक्ति को समाज में अपना स्थान निर्धारित करना है। आवश्यकता है कि सभी विषयों को मूर्धन्य विद्वान, शिक्षक एवं अध्येता आधुनिक चुनौतियों को ध्यान में रखकर गहन चिंतन और मनन करें। साथ ही इसके लिए समस्त प्रतिभावना और योग्य विद्यार्थियों को मंच प्रदान करें।

मुझे आशा ही नहीं, अपितु पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका अपने समस्त उद्देश्यों की प्राप्ति में सफल होगी। इस पत्रिका के सफल सम्पादन के लिए समस्त महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ। परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि हमें शिक्षा के क्षेत्र में छात्र-छात्राओं के हित में शिक्षा प्रदान करने की शक्ति प्रदान करें व मैं सभी छात्र/छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

इन्ही मंगलकामनाओं सहित.....

राकेश कुमार गर्ग

अध्यक्ष

श्री द्रोणाचार्य (पी०जी०) कॉलिज,

दनकौर (गौतम बुद्ध नगर)



# श्री द्रोणाचार्य पी०जी० कॉलिज

कॉलिज कोड - 038

कालिन्दी मार्ग (निकट स्पोर्ट्स सिटी), दनकौर (गौतम बुद्ध नगर), उ०प्र०, 203201

मो.नं. : 8191006001 | ई-मेल : sddcollege97@gmail.com | वेबसाइट : www.sdpg.in

स्थापित वर्ष : 1997

(सम्बद्धता-चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ.प्र., NAAC A")

पत्रांक.....

दिनांक.....



## संदेश

इस आधुनिक युग में जहाँ अधिकतर माँ-बाप अपने पारिवारिक दायित्व को पूरा करने हेतु दोनों अपने-अपने कार्यों में व्यस्त हैं ऐसे में बच्चों के शैक्षिक, मानसिक एवं शारीरिक विकास करने का दायित्व अधिकतम विद्यालयों का है। समाज में फैली हुई कुरीतियों को दूर करने एवं छात्र/छात्राओं में अच्छे संस्कार देने का कार्य भी महाविद्यालय द्वारा किया जा रहा है।

मैं अपने महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ को तथा सभी छात्र/छात्राओं को बधाई व सभी की सफलता की कामना करता हूँ। साथ ही मुझे पूर्ण उम्मीद है कि आगामी भविष्य में हमारा महाविद्यालय नये-नये पाठ्यक्रम चालू करते हुए नई ऊँचाई को प्राप्त करेगा।

मैं श्री द्रोणाचार्य (पी.जी.) कॉलिज, दनकौर की पत्रिका 'एकलव्य वाणी' के सफल प्रकाशन के लिए सभी को शुभकामनाएँ एवं बधाई देता हूँ।

*Rajnikant*

रजनीकान्त अग्रवाल

सचिव

श्री द्रोणाचार्य (पी०जी०) कॉलिज,

दनकौर (गौतम बुद्ध नगर)





# श्री द्रोणाचार्य पी०जी० कॉलिज

कॉलिज कोड - 038

कालिन्दी मार्ग (निकट स्पोर्ट्स सिटी), दनकौर (गौतम बुद्ध नगर), उ०प्र०, 203201

मो.नं. : 8191006001 | ई-मेल : sddcollege97@gmail.com | वेबसाइट : www.sdpj.in

स्थापित वर्ष : 1997

(सम्बद्धता-चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ.प्र., NAAC A")

पत्रांक.....

दिनांक.....

## संदेश



श्री द्रोण गुरुशाला द्वारा संचालित श्री द्रोणाचार्य (पी.जी.) कॉलिज, दनकौर, अपनी वार्षिक पत्रिका "एकलव्य वाणी" का प्रकाशन कर रहा है। पत्रिका के माध्यम से शिक्षकों और विद्यार्थियों को अभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त होगा। ग्रामीण अंचल में स्थापित इस स्ववित्त पोषित महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थी शिक्षा के द्वारा अपनी सृजनात्मक क्षमता का पूर्ण विकास करें, ऐसी मेरी शुभकामनाएं। मैं पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए सम्पादक मण्डल एवं छात्रों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूँ।

मनीष कुमार अग्रवाल

कोषाध्यक्ष

श्री द्रोणाचार्य (पी०जी०) कॉलिज,  
दनकौर (गौतम बुद्ध नगर)

एकलव्य वाणी



# श्री द्रोणाचार्य पी०जी० कॉलिज

कॉलिज कोड - 038

कालिन्दी मार्ग (निकट स्पोर्ट्स सिटी), दनकौर (गौतम बुद्ध नगर), उ०प्र०, 203201

मो.नं. : 8191006001 | ई-मेल : sddcollege97@gmail.com | वेबसाइट : www.sdpg.in

स्थापित वर्ष : 1997

(सम्बद्धता-चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ.प्र., NAAC A<sup>+</sup>)

पत्रांक.....

दिनांक.....

## संदेश



अत्यन्त प्रसन्नता का विषय है कि श्री द्रोणाचार्य (पी.जी.) कॉलिज, दनकौर के द्वारा "एकलव्य वाणी" पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है। जिसके माध्यम से प्रतिभावान शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के उपयोगी एवं महत्वपूर्ण शोध सारांशों का प्रकाशन किया जा रहा है। जिसके लिए मैं सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार एवं सम्मिलित समस्त रचनाकारों को इस पत्रिका के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देता हूँ।

डॉ० गिरीश कुमार वत्स

प्राचार्य

श्री द्रोणाचार्य (पी०जी०) कॉलिज,

दनकौर (गौतम बुद्ध नगर)



एकलव्य वाणी



# श्री द्रोणाचार्य पी०जी० कॉलिज

कॉलिज कोड - 038

कालिन्दी मार्ग (निकट स्पोर्ट्स सिटी), दनकौर (गौतम बुद्ध नगर), उ०प्र०, 203201

मो.नं. : 8191006001 | ई-मेल : sddcollege97@gmail.com | वेबसाइट : www.sdpj.in

स्थापित वर्ष : 1997

(सम्बद्धता-चौ० चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ, उ.प्र., NAAC A<sup>+</sup>)

पत्रांक.....

दिनांक.....

## संदेश



शिक्षा की श्रेष्ठता समाज की विशिष्टता का आधार बिन्दु होती है। यह महाविद्यालय कौशलात्मक गुणों के साथ आपैचारिक शिक्षा का श्रेष्ठ माध्यम है जिससे शिक्षा के परिवर्तित परिवेश में समस्त रचनाकारों ने अपनी रचनाएँ मनुभावों के द्वारा कहानी कविता या लेख के द्वारा रचित की है।

मैं सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार को "एकलव्य वाणी" के सफल प्रकाशन के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई देती हूँ।

डॉ० रश्मि गुप्ता

आई.क्यू.ए.सी. समन्वयक/उपप्राचार्या

श्री द्रोणाचार्य (पी०जी०) कॉलिज,

दनकौर (गौतम बुद्ध नगर)

## अनुक्रमणिका

1.	हिन्दी हमारी माँ हैं –डॉ० गिरीश कुमार वत्स	1
2.	काश लौट आए वो बचपन के दिन – डॉ० रश्मि गुप्ता	2
3.	भारतीय समाज और स्त्री (बाबुल की बिटिया) – डा० देवानंद सिंह	3
4.	आस – डॉ० शिखा रानी	5
5.	ज्ञान की ज्योत – डॉ० अजमत आरा	6
6.	विज्ञान एक वरदान – श्री अमित नागर	7
7.	Peace Education and Skills – Shadhi Nagar	8
8.	सच्ची शिक्षा – डॉ० रश्मि जहां	9
9.	स्त्री – डॉ० प्रीति रानी सेन	10
10.	भोजन के साथ रिश्ता – डॉ० निशा शर्मा	12
11.	हमारे मन में जिज्ञासा की ज्योति – डॉ० रेशा	13
12.	वो अकसर कहती है!! – डॉ० नाज परवीन	15
13.	बटवारा रिश्तों का या संपत्ति का –विकास बाबू	17
14.	मत डर तू दुनिया की उलझनों से – प्रीति शर्मा	18
15.	आइये चलते हैं... – चंद्रेश कुमार त्रिपाठी	19
16.	आसमान – काजल कपासिया	20
17.	जीवन यात्रा –निक्की भाटी	21
18.	मेहनत – शैली	22
19.	मंजिल – शैली	23
20.	We are Women – Neha Vats	24
21.	Showing the Way – Neha Vats	25
22.	Teacher – Teacher	26
23.	Time and Life – Simran Saifi	27
24.	A Girl Behind Me – Sonam Mishra	28
25.	Be Careful – Sonam Mishra	29
26.	About Indian Constitution – Rakhi Nagar	31
27.	ABC of Life – Monika Bhati	33
28.	Why God Made Teachers -by Kevin willam Heff- – Ishika	34
29.	Teacher Is Rare God – Shivani Chaudhary	35
30.	O Mother India! – Shivani Chaudhary	36

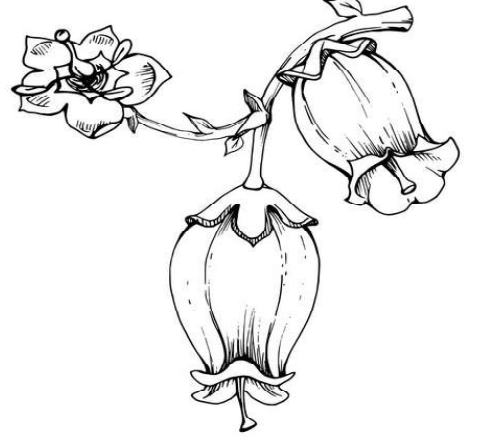


31.	Women Education – <i>Parul Bhati</i>	37
32.	May Teacher – <i>Parul Bhati</i>	37
33.	Fear - Khalil Gibran – <i>Chanchal Sharma</i>	38
34.	Corruption – <i>Priya Malik</i>	40
35.	26 November 1949 – <i>Chanchal</i>	41
36.	My Teenage – <i>Nitish Singh</i>	42
37.	A Heaven in the Heart – <i>Nitish Singh</i>	43
38.	Dad – <i>Anamika Bidhuri</i>	44
39.	GST and its Impact in Economic Development of India – <i>Anshu Nagar</i>	45
40.	Equality in the Workplace – <i>Muskan Garg</i>	46
41.	Beauty is not Skin Deep – <i>Anjali</i>	47
42.	A Note to my Mother – <i>Varsh</i>	48
43.	Balance Sheet of Life – <i>Sheetal Malik</i>	49
44.	I heard the bells on Christmas Day – <i>Ninka</i>	50
45.	Here are the Some Lives for Students	51
46.	Today I Wrote this Poem – <i>Neha</i>	52
47.	My Life My Way – <i>Anita Bhati</i>	53
48.	Our House – <i>Teena Nagar</i>	54
49.	Building a House – <i>Tanu Nagar</i>	55
50.	Fountains of Gold – <i>Sachin</i>	56
51.	House and Home – <i>Sana Saifi</i>	57
52.	Self-Discipline – <i>Khushbu</i>	58
53.	Time Goes On – <i>Komal Nagar</i>	59
54.	Mother of Gold – <i>Deepansh Nagar</i>	60
55.	Mother – <i>Sonu Nagar</i>	61
56.	A Teacher - A Student Relationship Anytime – <i>Anu Tiwari</i>	62
57.	A Sonnet to Society – <i>Abhishek Vats</i>	63
58.	Punctuality – <i>Esha</i>	64
59.	Oh My Teacher – <i>Prerna Nagar</i>	65
60.	Mathematics of Life – <i>Geeta Sharma</i>	66
61.	Problem of Unemployment “An ‘Unemployed’” Eistences is a Worse Negation of Life than Death Itself – <i>Anshu Nagar</i>	67
62.	Some Thoughts – <i>Isha</i>	68
63.	Cricket and Classroom – <i>Geeta Sharma</i>	69
64.	Role of Mother in Life – <i>Geeta Sharma</i>	70
65.	Qualities of a Good Student – <i>Aarti Sharma</i>	71

66.	Inspiration Light – <i>Sheetal Nagar</i>	73
67.	Two Roads Diverged in a Yellow Wood – <i>Adesh Nagar</i>	74
68.	Demolition – <i>Nahid</i>	75
69.	Life – <i>Sonika Nagar</i>	76
70.	Mazine Teacher – Sakshi Sharma – <i>Sunita</i>	77
71.	Things You can Control – <i>Sunita</i>	78
72.	Thinks About Life – <i>Mantasha</i>	80
73.	People are often Unresanable – <i>Annu Nagar</i>	81
74.	Education – <i>Satendra</i>	82
75.	A Madrigal – <i>Himanshi Bhati</i>	83
76.	Education – <i>Soniya</i>	85
77.	My Father – <i>Soniya</i>	86
78.	My Mother – <i>Priya</i>	87
79.	Fear (Khalil Gibran)	88
80.	My First Day at College – <i>Nikita Nagar</i>	89
81.	The Vacuole of My Life – <i>Tanu Nagar</i>	90
82.	Human Values – <i>Riya Sharma</i>	91
83.	Why You Hurt Them ? – <i>Riya Sharma</i>	92
84.	Education – <i>Riya Sharma</i>	93
85.	When a Father gives to His Son – <i>Nitesh Singh</i>	94
86.	A Girl – <i>Divya Sharma</i>	95
87.	What a Blessing – <i>Ajay Singh</i>	96
88.	Respectfully – <i>Rinku Singh</i>	97
89.	A Little House We Build Together – <i>Simran</i>	98
90.	Somber, Nostalgic Thoughts – <i>Sonam</i>	99
91.	Building A House – <i>Kashish Kasana</i>	100
92.	Memories – <i>Shaba</i>	101
93.	15th August 2021 – <i>Anju</i>	102
94.	Parents – <i>Nidhi</i>	103
95.	The Morning Shows the Day – <i>Nidhi</i>	104
96.	What is Friendship – <i>Sarika Bidhuri</i>	105
97.	Happyness is found – <i>Annu Nagar</i>	106
	<b>महाविद्यालय झलकियां</b>	<b>107</b>

एकलव्य वाणी





## हिन्दी हमारी माँ हैं

हिन्दी है मातु अपनी, हिन्दी है राष्ट्रधारा ।  
करना प्रतिष्ठा इसकी, संकल्प है हमारा ॥

इसकी कृपा से हमने, शब्दों का ज्ञान पाया ।  
भावों को व्यक्त करना, हमको तभी तो आया ॥

हर शब्द मंत्र लगता, जब भी इसे पुकारा ।  
करना प्रतिष्ठा इसकी, संकल्प है हमारा ॥

भारत की प्यारी भाषा, सबको समझ में आती ।  
बहती हवा भी इसमें, धरती के गीत गाती ॥

हिन्दी को नाज दे दो, गुंजेगा स्वर तुम्हारा ।  
करना प्रतिष्ठा इसकी, संकल्प है हमारा ॥

डॉ० गिरीश कुमार वत्स  
(प्राचार्य)





## काश लौट आए वो बचपन के दिन

नानी—दादी की कहानियों के संगिन,  
जिनके हर किस्से में जादू बसा,  
जहाँ था स्नेह, जहाँ सुख खिला।

बारिश की बूंदों में भीग जाना,  
कागज की नावों को संग बहाना,  
नन्हीं—सी धारा में सपनों का रंग,  
लड़केपन के गीतों का मधुर तरंग।

वो दोस्तों का मेला, हंसी की फुहार,  
हर दिन था खुशियों का इंद्रधनुष—सा उपहार,  
शरारत में भी छुपा अपनापन,  
हर पल में झलकता था बंधन अनोखा—सा मन।

पढ़ाई को लेकर पापा का कहना,  
डांट में भी छुपा था उनका बहाना,  
किताबों की दुनिया में खो जाना,  
हर कठिनाई को हंसकर भुलाना।  
मां की ममता का कोमल सहारा,

जिसमें सिमटता था जीवन हमारा,  
उस गोद में पाकर सुकून अपार,  
बड़े होकर भी हो जाते थे हम नन्हें बार—बार।



याद आते गणित के कठिन सवाल,  
संस्कृत के श्लोक और अध्याय विशाल,  
गुरुजी की मुस्कान, सरल—सा अंदाज,  
चुटकियों में मिटा देते हर उलझन का राज।

डॉ० रश्मि गुप्ता  
सहायक आचार्या, उपप्राचार्या एवं  
आइ.क्यू.ए.सी. समन्वयक, विज्ञान विभाग



## भारतीय समाज और स्त्री (बाबुल की बिटिया)

बहता पवन मैंने देखा, पल-पल उसको मरता देखा  
बहता पवन मैंने देखा, घर-परिवार में  
उसको सब कुछ सहते देखा,  
बहता पवन मैंने देखा,

बाबुल की बेटी, मां की दुलारी, घर की प्यारी को,  
पराए घर जाते देखा, सब कुछ उसको सहते देखा, जो थी दुलारी बाबुल की,  
आंगन की सुंदर चिड़िया सी, खुला खुला सब कुछ बाबुल द्वारे जो चाहे वह करती,  
घर की बेटी लक्ष्मी सी थी जो,

सामाजिक रिश्ते की डोर हेतु, उसको अलग होते देखा  
सास ससुर के घर जाते देखा, बाबुल के आंगन की प्यारी चिड़िया को,  
घर पिंजरे में बँधते देखा,  
सास, ससुर और नंद-भावज की,

नुकीली दुत्कारों को सहते देखा,  
उसके हृदय को, पल पल छलनी होते देखा,  
बहता पवन मैंने देखा पल-पल उसको मरते देखा,  
बहता पवन मैंने देखा, बहता पवन मैंने देख

लालच समाज को,  
बाबुल की प्यारी, घर की दुलारी पर,  
अत्याचार करते देखा  
डंडों की बौछार से तड़पते देखा,

जल्दी आग में उसको दहन होते देखा,  
दहेज की आग में जलते देखा,  
पल-पल उसको सहते देखा,  
रात दिन के तानो को सहते देखा,

श्री दोणाचार्य (पी.जी.) कॉलिज, दनकौर





कुंठा, डिप्रेशन में पड़ते देखा,  
पल-पल उसको मरते देखा,  
आधुनिक युग के आधुनिक समाज में,  
ऐसी स्त्री भी मैंने देखी,

फटे चीठड़े, नंगे पांव,  
दो टूक पाने के लिए,  
अपना जीवन जीने के लिए  
पल-पल उसको

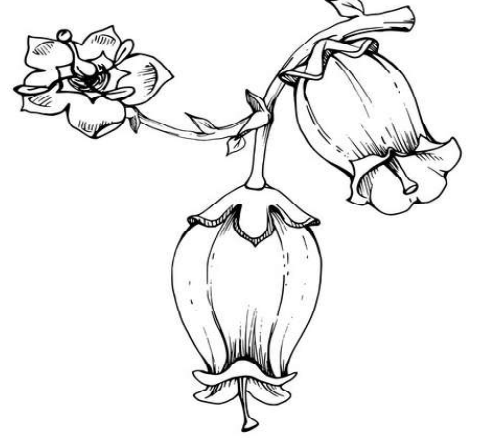
समाज की विभरतस्ना सहते देखा,  
बहता पवन मैंने देखा, पल-पल उसको मरते देखा,  
घर की दुलारी को, बाबुल की लक्ष्मी को  
समाज के दुर-मानवों की, गंदी नजर पड़ते देखा,

पल-पल उसको मरते देखा,  
बहता पवन मैंने देखा, पल-पल उसको मरते देखा,  
नारी को नारी पर ही, अत्याचार करते देखा  
बहता पवन मैंने देखा, पल-पल उसको मरते देखा,

डा० देवानंद सिंह  
हिंदी प्राध्यापक एवं कला संकायाध्यक्ष







## आस

बन्धन दो जीवन भर का  
बन्धन को आभास ना दो

मुट्ठी भर दे दो अपनापन  
ये सारा आकाश ना दो

क्षण भंगुर है स्नेह तुम्हारा  
तुम ऐसा विश्वास ना दो

प्रणयदान दे दो मुझे  
मुझको झूठी आस ना दो

मृग तृष्णा हो जाये जीवन  
ऐसी मुझको प्यास ना दो

बस कुछ क्षण दे दो अपने  
लोगों का उपहास ना दो

सुधापना अधिकार मुझे दो  
यूँ निर्जल उपवास ना दो

अन्तिम हो जाये जीवन  
ऐसा कोई सांस ना दो।



डॉ० शिखा रानी  
सहायक आचार्या, हिन्दी विभाग



## ज्ञान की ज्योत

ज्ञान की ज्योति से जगमगाता पथ,  
जहां अंधकार भी हार मान ले सहज ।

मन का दीपक जब प्रज्वलित होता है,  
तब हृदय में नया सवेरा जन्म लेता है ।

शिक्षा नहीं केवल अक्षरों का मेल,  
यह जीवन को देती दिशा और खेल ।

संघर्ष में सहारा विषाद में प्रकाश,  
हर गिरते को उठाती और जीने की देती आस ।

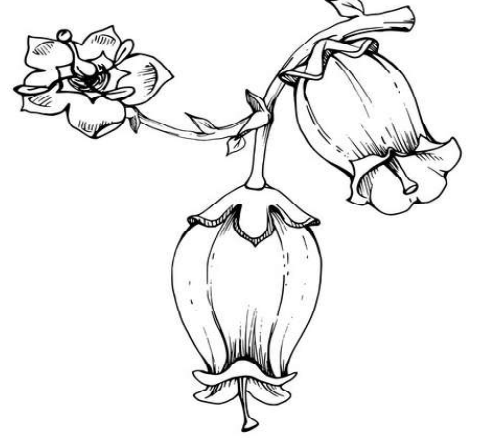
गुरु का वचन बने सत्य का आधार,  
शिष्य का श्रम बने भविष्य का द्वारा ।

संस्कारों से सिंचित हो मानव का मन,  
तब धरा पर उतर आए स्वर्ग सा जीवन ।

तब धरा पर उतर आए स्वर्ग ऐसा जीवन ।

डॉ० अजमत आरा  
असिस्टेंट प्रोफेसर, अंग्रेजी विभाग





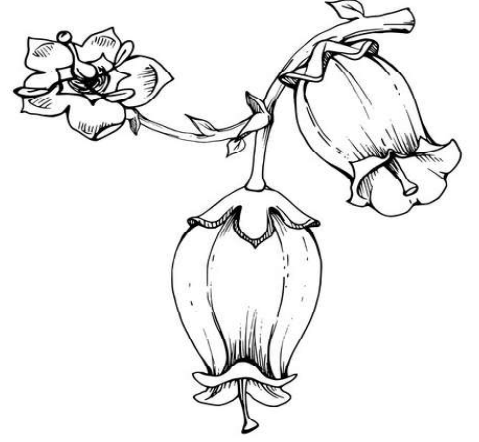
## विज्ञान एक वरदान

आज हम जिस दौर में जी रहे हैं, यह आधुनिक युग विज्ञान और तकनीक का दौर है। विज्ञान ने मानव जीवन की प्रत्येक परिकल्पना को साकार करके दिखाया है, जिन्हें शायद असंभव ही समझा जाता था। संसार का कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है, जहाँ विज्ञान ने अपनी उपयोगिता साबित ना की हो। मानव हमेशा से ही एक जिज्ञासु प्राणी रहा है। जिसकी समय के साथ जिज्ञासा बढ़ती ही जा रही है। और समय-समय पर यही जिज्ञासा विज्ञान की जननी मानी जाती है। जैसे-जैसे मानव जीवन की आवश्यकताएं बढ़ती जाएंगी वैसे-वैसे नए-नए आविष्कार सामने आते रहेंगे। कहा भी जाता है – “आवश्यकता ही आविष्कार की जननी होती है”।

एक ओर जहां विज्ञान मानव जीवन के लिए वरदान माना जाता है, दूसरी ओर वहीं इसे अभिशाप भी माना जाता है। विज्ञान के भीतर सृजन और विनाश दोनों की ही क्षमताएं विकसित हैं। विज्ञान के बल पर नए-नए आविष्कार भी कर सकते हैं, और दूसरे पल में ही संपूर्ण मानव जाति का विनाश भी कर सकता है। आज स्वास्थ्य, चिकित्सा, दूरसंचार, यातायात, सूचना, प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष विज्ञान इन सभी क्षेत्रों में विज्ञान की अपनी विशेष भूमिका है। जिस मानव समाज में हमेशा से केवल चंदा मामा की कहानियां सुनाई जाती थी आज वहीं मानव जाति अंतरिक्ष और चन्द्रमा दोनों पर पहुँच भी चुकी है। अतः विज्ञान की बढ़ती हुई खोज मानव जाति के लिए एक वरदान के रूप में साबित हुई है।

श्री अमित नागर  
असिस्टेंट प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष  
विज्ञान विभाग





## Peace Education and Skills

What is peace ? Dictionaries define it as freedom from disturbance, a state free from war and violence. This is the biggest problem of the age we live in. This depicts our mindset and our negative approach in our daily life. It shows the state of disturbance and not peace, which is natural to us.

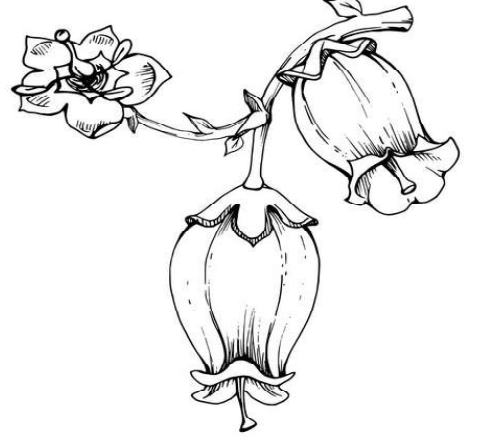
As a teacher this is the biggest challenge for us. The attitudinal shift has to be taken place. This is the reason why we took up this as a challenge. We have a great role to play from a state where peace is absence of war and disturbance to a state where war or disturbance is absence of peace.

It will be the greatest contribution to the generation ahead and ahead of bookish knowledge. We all are suffering with trust deficit whether parents, teachers, students, leaders, Masses and at last I and me. What is the reason ? That ponder! we need to work on our beliefs by ourselves. Once we started believing in ourselves, I think we can make our students be at peace with themselves and the society at large. We need to go back to basics. Empathy, humility, helping, sharing, caring and breaking our horizon are in our nature.

**Shashi Nagar**  
**HOD BCA Department**  
**Assistant Professor**







## सच्ची शिक्षा

सच्ची शिक्षा वो नहीं,  
जो हमें धन-दौलत दिलवाएं,  
सच्ची शिक्षा तो वो है,  
जो समाज में हमारा मान बढ़ाएं,

सच्ची शिक्षा वो नहीं,  
जो असत्य का जाल बिछाए,  
सच्ची शिक्षा वो है,  
जो सत्य का मार्ग दिखाएं।

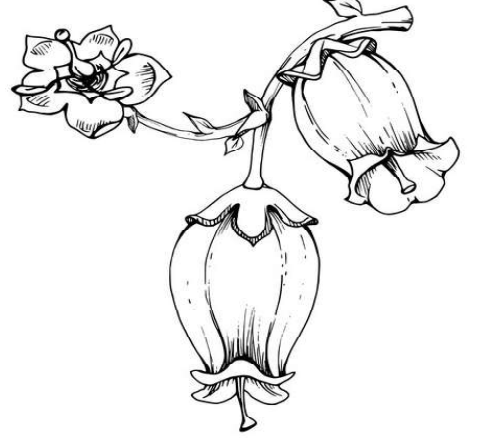
सच्ची शिक्षा वो नहीं,  
जो नफरत के बीज फैलाएं,  
सच्ची शिक्षा तो वो है,  
जो हृदय में प्रेम के फूल खिलाएं।  
सच्ची शिक्षा वो नहीं,

जो सिर्फ मैं की भावना को जगाए,  
सच्ची शिक्षा वो है,  
जो मानवता का धर्म सिखाएं।  
सच्ची शिक्षा वो नहीं,

जो हमारी बाह्य सुंदरता से हमारा परिचय करवाए,  
सच्ची शिक्षा तो वो है,  
जो हमारे आंतरिक व्यवहार में निखार लाए।



डॉ० रश्मि जहां  
विभागाध्यक्ष, शिक्षक शिक्षा विभाग

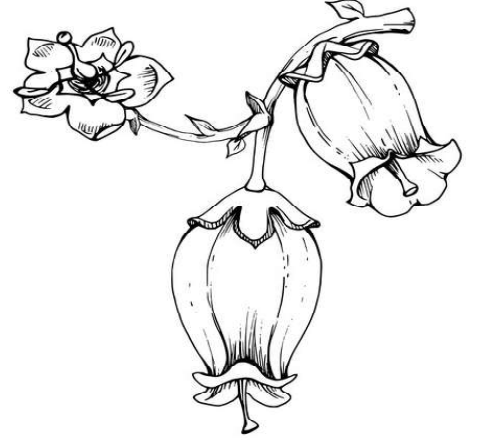


## “स्त्री”

स्त्री शब्द जितना छोटा है....  
उसकी महत्वता उतनी ही अधिक है....  
भावनाओं का समंदर इतना गहरा है....  
सह जाती है हर वो बात....  
जो उसके विरुद्ध होती है....  
कभी अपनों के लिए....  
तो कभी अपने अस्तित्व के लिए....  
स्त्री का आभूषण समर्पण, त्याग....  
आदतों को बदला, चाहतों को बदला....  
मारे कितने अरमानों को....  
अपने सपनों को त्याग कर....  
दूसरों के सपनों को सजाया ....  
अपने घर को छोड़कर....  
दूसरे के घर को सजाया....  
इस जीवन का कटु सत्य है?  
हाय  
वंश को चलाने के लिए.....  
गर्भ में ही मार दिया.....



डॉ० प्रीति रानी सेन  
वाणिज्य विभागाध्यक्ष

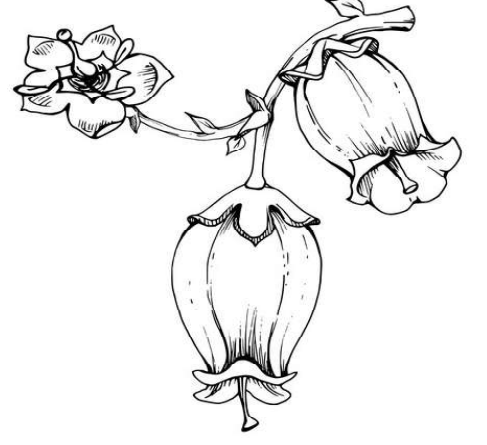


## भोजन के साथ रिश्ता

भोजन के साथ हमारा रिश्ता उसी क्षण शुरू हो जाता है जब हम गर्भ में पलते हैं और बढ़ते हैं हमारे जीवन से लेकर हमारी मां ने हमें जन्म देते समय क्या खाया बचपन में हमारे व्यवहार और हम किसी से मिले यह सब आज हम कैसे सोते हैं और व्यवहार करते हैं इसमें बहुत बड़ी भूमिका निभाता है भोजन के साथ अच्छा रिश्ता और उसके प्रति रवैया रखना कोई ऐसी चीज नहीं है बल्कि ऐसी चीज है जिस पर आपको अपने पूरे जीवन काम करना होगा दिलचस्प बात यह है कि अपने भोजन संबंध पर काम करने के लिए जितनी ऊर्जा और प्रयास की आवश्यकता होती है उतनी ही आपको अपने मित्र के साथ संबंध बनाने के लिए भी चाहिए। यह कुछ संकेत हैं जो बताते हैं कि भोजन के प्रति आपका रवैया खराब है या भोजन के साथ आपका रिश्ता अस्वस्थ है।

1. अपने फोन खाद्य पदार्थों के बारे में नियम बनाए हैं जिन्हें आप खा सकते हैं और जिन्हें नहीं खा सकते।
2. आप दिन भर में खाना समाप्त होने की जानकारी के लिए कैलोरी काउंटर या एप्स पर निर्भर रहते हैं।
3. आपको खाने को लेकर अपराध बोध महसूस होता है।
4. आप अपने शरीर की प्राकृतिक भूखे संतुष्टि के संकेतों को अनदेखा करते हैं यहां काम खान और ज्यादा खाना दोनों ही चिंता का विषय है।
5. आपके पास यो यो डाइटिंग या नवीनतम आहार उद्यानों का पालन करने का इतिहास है।
6. आपको कमियां ज्यादा खाना खाने का डर रहता है भोजन की मात्रा आपके लिए तनावपूर्ण है।
7. सामाजिकपरिवेश में भोजन करते समय आप अत्यधिक तनाव और चिंता महसूस करते हैं क्योंकि आपको डर रहता है कि दूसरे लोग आपका भोजन के बारे में क्या कहेंगे।





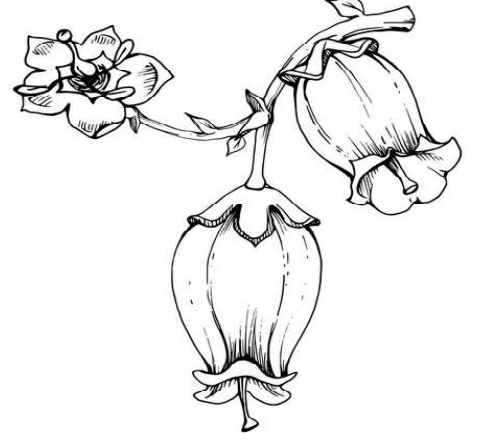
### भोजन के साथ अच्छा रिश्ता –

यह जानना और समझना महत्वपूर्ण है कि भोजन के प्रति अच्छा दृष्टिकोण उसके साथ अच्छा संबंध क्या है।

1. आप अपने शरीर के प्राकृतिक रूप संकेत को सुनते हैं और उनका सम्मान करते हैं।
2. आप भूख लगने पर खाते हैं और पेट भर जाने पर खाना बंद कर देते हैं।
3. आप ऐसे खाद्य पदार्थ चुने जो आपको अच्छा महसूस कराये।
4. आपका भोजन के चयन में कैलोरी पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता।
5. आप सभी खाद्य पदार्थों का सेवन संयमित मात्रा में करते हैं जो कि आपका स्वास्थ्य पर निर्भर करता है उदाहरण के लिए यदि आपको देरी उत्पादों से परहेज है तो आप जानते हैं कि आपको डेयरी उत्पाद नहीं खाने चाहिए।

डॉ० निशा शर्मा  
गृह विज्ञान विभाग





हमारे मन में जिज्ञासा की ज्योति जलती है,  
सपनों की उड़ानें हमें नई दिशा दिखाती हैं।  
हमारे कलम और पेंसिल, परिवर्तन के साधन हैं,  
ज्ञान की शक्ति से हमारी क्षमताएँ उभरती हैं।

हर किताब और हर व्याख्यान कक्ष में हम सीखते हैं,  
नई ऊँचाइयों को छूते हुए हमारा दिमाग विस्तृत होता है।  
हमारे दिल तेजी से धड़कते हैं, जैसे हम अपने सपनों को पूरा करते हैं।  
हम नेता, नवप्रवर्तक और मार्गदर्शक हैं, अपने विचारों से दुनिया को आकार देते हैं।

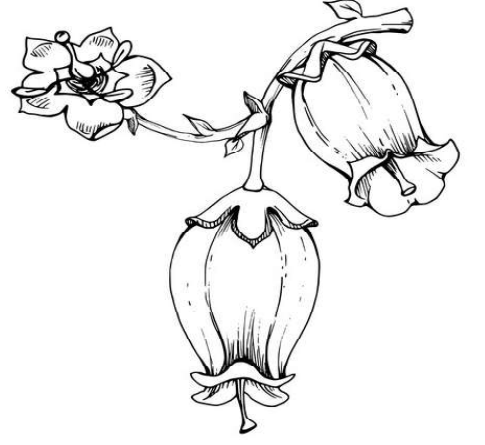
हमारी आवाज मायने रखती है, हमारे कार्य मायने रखते हैं,  
जैसे-जैसे हम ऊपर उठते हैं, हमारा प्रभाव गूँजता है।  
हम छात्र हैं, भविष्य हमारे हाथों में है,  
रचना करने, दीवारें तोड़ने और खड़े होने की शक्ति के साथ हम आगे बढ़ते हैं।

न्याय, समानता और एक उज्ज्वल दिन के लिए हम ही वो हैं,  
जो रास्ता प्रशस्त करेंगे, और अपने सपनों को पूरा करेंगे।

डॉ० रेशा  
असिस्टेंट प्रोफेसर,  
विज्ञान विभाग







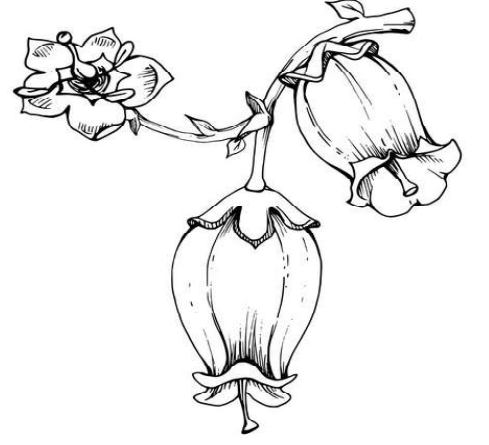
## वो अकसर कहती है!!

वो अकसर कहती है  
ख्वाब थोड़े ऊँचे रखना  
पाँव जमीं पर धरना  
लेकिन उड़ना आसमानों में।  
टूटकर मोहब्बत करना  
दुनिया भर की किताबों से,  
तुम मिटा देना वो अल्फाज  
जो सदियों पहले लिखे थे  
हमारे नाम...

“काला अक्षर भैस बराबर”  
मुट्ठी भर इंसानों ने  
वो अकसर कहती है....

वो अकसर कहती है....  
तुम कद्र करना किताबों की  
बड़ा जादूई तिलिस्म है इनके भीतर  
तुम उन्हें पढ़ना, समझना  
और पढ़ाना औरों को...  
जगमगाना अंधेरी रातों में  
ताकि मिट सके वो सवाल  
जो बरसों पहले उठा था हमारी मेहनत पे  
कि “हम आखिर करती क्या हैं?  
घर के चंद कामों के अलावा”  
वो अकसर कहती है....





वो अकसर कहती है  
तू काबिल बन पढ़ लिख कर  
तोड़ देना रूढ़ियों की बेड़ियों को  
वो कहती है..  
कुबेर का खजाना है तेरी मुट्ठी में  
बंध जाए तो दौलत है  
खुल जाए तो रौनक है  
वो जो संघर्ष करती हुई महिला है..  
अकसर मुझसे कहती है  
पाँव जमीं पर धरना  
लेकिन उड़ना आसमानों में!!

स्वरचित रचना!  
डॉ० नाज परवीन  
असिस्टेंट प्रोफेसर  
कला संकाय





## बटवारा रिश्तों का या संपत्ति का

अभी कुछ दि न पहले में अपनी एक रिश्तदोरी में गया तो में बहा एक आलीशान घर में इस तरह दिवार खिचते देखा उसे देखते ही मेरी हालत खराब हो गयी क्योंकि जिस घर में मैं खेला बहा छुट्टियां मनाने जाता था, आज वहां का ये हाल है कि दो भाइयों के बीच “बटवारे” के बाद की बनी हुई तस्वीर क्या होती है। बाप-दादा ने जिस तरह परिवार को एकत्र कि या आज उनके वंशज घर की दहलीज को किस तरह धूमिल कर चम्मच-चम्मच का बटवारा किया गया है। यह हर गांव, हर घर की असलि यत को भी दर्शाता है।

वि वेक ति वारी जी कहते है –

यूँ बटवारा रिश्तों में सब करते चलें गएँ परिवार एकल में अब सिमटते चले गएँ।

घर-घर की कहानी हर शख्स की जुबानी हम दोँ हमारे दोँ में सब संवरतें चलें गएँ॥

विलुप्त की कगार पर खड़े है कई रिश्तें चाचा, ताऊ, बुआ, अब इतिहास बन गएँ।

मालूम नही नस्ल को होता क्या बड़प्पन बड़ा भाई बड़ी बहन उधार लेते चलें गएँ॥

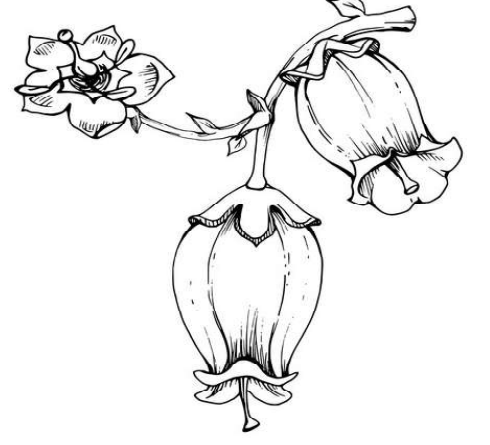
जनसंख्या बढ़वाना मकसद नही है मेरा सयंकुत परिवार ‘विवेक क्यूँ उजड़तें चलें गएँ’॥

दरअसल आज हम “गांव और शहर” के लोग जितने खशु हाल अपने आपके दिखाते हैं वास्तव में उतने हैं नहीं। जो आजकल के लोग सोशल मीडिया पर स्टेटस लगते है की आज मेरे भतीजे का या देवर का या भाई का जन्मदिन है या सालगिराह है, ये सब दिखावा है अंदर से कोई खशु नहीं है। जमीनों के केस, पानी के केस, खेत-मेढ के केस, रास्ते के केस, मुआवजे के केस, बंजर तालाब के झगड़े अधिकतर विवाद सगे संबंधियों एवं खून के रिश्तेदारों में ही ईर्ष्या, कपट, नाराजगी एवं द्वेष भाव पनपा हुआ है।



ब्याह शादी के झगड़े, दीवार के केस, आपसी मनमट्टाव, चुनावी रंजिशों हो या अपने आप को बड़ा दिखाना हो, इन सभी ने समाज को पूरी तरह से खोखला कर दिया है। लेकिन मेरा मानना यह है की हर व्यक्ति अपने आप को बड़ा दिखाना चाहता है जिससे वह पारिवारिक और सामाजिक रिश्तों को पीछे छोड़ देता है जिससे उसके मित्र पारिवारिक सदस्य दूर होने लगते है। आप सब जानते ही है अब हम पूरी तरह बंटे हुए लोग हैं। “गांव और शहर” में अब एक दूसरे के उपलब्धियों का सम्मान करने वाले, प्यार से सिर पर हाथ रखने वाले लोग संभवतः अब मिलने

मुश्किल हैं। वह लगभग गायब से हो गये हैं, हालात इस कदर खराब है कि अगर भाई दूसरी पार्टी को वोट देगा तो हम नहीं देंगे। इतनी नफरत कहां से आई है। लोगों में ये सोचने और चिंतन का विषय है, संयुक्त परिवार अब “गांवों और शहरों” में शायद नाममात्र ही हैं, “लस्सी-दूध” की जगह यहां भी अब थम्सअप, कोकाकोला, पेप्सी पिलाई जाने लगी है। बंटवारा केवल भारत का नहीं हुआ था, आजादी के बाद हमारा समाज भी बंटा है और शायद अब हम भरपाई की सीमाओं से भी अब बहुत दूर आ गए हैं। अब तो वक्त ही तय करेगा कि हम और कितना बंटेंगे।



यूँ लगने लगा है जैसे हर आदमी अपने मन में ईर्ष्या एवं द्वेष भाव की टोकरी भरा हुआ है ये किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं है, लगभग हर घर की कहानी है। परिवार मित्र और रिश्तों को बचाना है तो मन से ईर्ष्या को निकाल देना चाहिए। क्योंकि फल हमेशा झुके हुए पेड़ पर ही लगते हैं, बड़े हमेशा बड़े होते हैं चाहे वो भाई हो या रिश्तेदार, गलती हर किसी से होती है मेरे से भी होती है लेकिन उन सबसे सबक लेकर हमें सीखना चाहिए की बड़े सही एवं सच कहते हैं क्योंकि सैंकड़ों वर्ष पूर्व दी गई सूक्तियां आज भी प्रासंगिक हैं, और आप आगे खुद ही समझदार हैं।

निष्कर्षतः कहा जाए तो बटवारा संपत्ति का नहीं होता, लेकिन रिश्तों का बटवारा स्वयं होने लगता है, आज बड़े-बड़े उद्योगपतियों जैसे हीरो-होंडा, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इनमें बटवारा संपत्तियों का हुआ लेकिन रिश्तों का बटवारा स्वयं हो गया। एक कहावत है कि ‘जिसके पास अच्छा परिवार होता है... उनकी जिंदगी सबसे अच्छे से कटती है’।

हर परिवार में समस्या होती है, किंतु वे लोग खुशानसीब होते हैं जिनका परिवार होता है! दुनिया के लिए तो आप बस एक व्यक्ति हैं, लेकिन आप अपने परिवार के लिए पूरी दुनिया हैं, प्रेम सदभाव, विश्वसनीयता, एकजुटता और मोतियों की माला की तरह परिवार और रिश्तों को पिरोकर रखे ज्यादा अमीर बनने के चक्कर में अर्थी को कंधा देने सोशल मीडिया वाले मित्र फॉलोवर नहीं आयेंगे वही परिवार और रिश्तेदार आयेंगे वरना अर्थी को कंधा देने के लिए भी कोई न मिलेगा वक्त रहते रिश्तों एवं परिवार को संभाल लीजिए, झुकता वही है जिस पर फल लदे होते हैं।

विकास बाबू  
प्रवक्ता वाणिज्य संकाय





मत डर तू दुनिया की उलझनों से  
ये बस डराना जानती हैं, हराना नहीं,  
मत घबरा तू इन वादियों की गहराइयों से,  
ये बस डुबाना जानती हैं, मिटाना नहीं

सुन तू अपने उस मन कि आवाज जो  
सही राह दिखाना जानती हैं, उलझाना नहीं  
एक यही सच्चा साथी है जिंदगी में जिसकी  
पहली आवाज ही काफी हैं, बुलंदियों को छूने के लिए

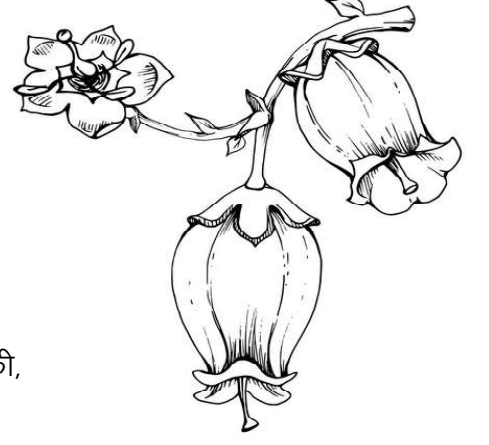
बढ़ता चल तू अपनी ही धुन में होके मगन  
मत कर परवाह इन दुनिया के मेहमानों की  
जीतता वही हैं जिसे मतलब हो सिर्फ मंजिल से  
रास्तों की परवाह में बस हार है, जीत नहीं ।।

प्रीति शर्मा  
सहायक आचार्या  
मनोविज्ञान विभाग





## आइये चलते हैं...



आइये चलते हैं,

किसी भूले-भटके को मंजिल देते हैं, जिंदगी जहन्नुम हो गई है जिनकी,  
उनके होठों को मुस्कान देते हैं।

आइये चलते हैं,

किसी अजनबी से जान-पहचान करते हैं,  
मुरझा गया है गर दिल जो किसी का, उसके मन की बगिया महका देते हैं।

आइये चलते हैं,

बूढ़े-बच्चों से चुहलबाजियां करते हैं, खो गया है जिनका कीमती बचपन, उनके सपनों में सात रंग भरते हैं।

आइये चलते हैं,

किसी दुश्मन से यूं ही गुप्तगू करते हैं,  
मैला है जो मन उसका अब तक,  
उसे गंगा-जल से धुलते हैं।

आइये चलते हैं,

किसी मुसाफिर से मशविरा करते हैं, धुंधली हो चुकी है, अगर दिशाएं उनकी उन्हें नित-नई राह देते हैं।

आइये चलते हैं,

किसी दर को पूज लेते हैं,  
क्या पता कब जिंदगी की शाम ढल जाए,  
आने वाली जिंदगी की सुबह करते हैं।

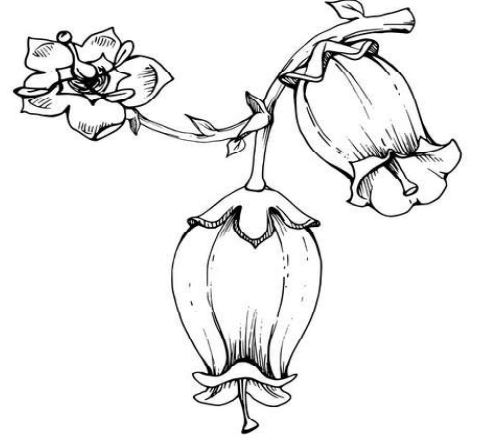
आइये चलते हैं,

चलते हैं, चलते हैं,  
बस चलते ही रहते हैं।



चंद्रेश कुमार त्रिपाठी  
असिस्टेंट प्रोफेसर, बी.बी.ए.

एकलव्य वाणी



## आसमान

हर रोज चांद से बात की है  
एक दिन चांद तक पहुंचना है !!

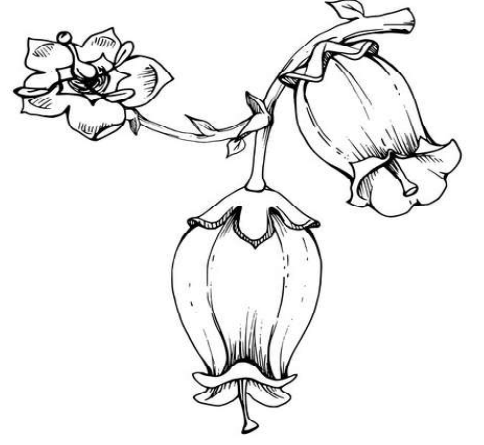
हर रात तारों को देखकर सोए है  
एक दिन तारों को काबू करना है !!

हर दिन उस एक चाहत को जिंदा किया है  
एक दिन उस एक चाहत को जीना है !!

आसमान की चाह में कई अरसे गुजारे हैं जमीन पर  
एक दिन आसमान तक पहुंच कर जमीन से जुड़ना है !!

काजल कपासिया  
सहायक आचार्या, वाणिज्य विभाग





## जीवन यात्रा

पूछा जो मैंने एक दिन खुदा से,  
अंदर मेरे ये कैसा शोर है,  
हंसा मुझ पर फिर बोला,  
चाहतें तेरी कुछ और थी,  
पर तेरा रास्ता कुछ और है।

रूह को संभालना था तुझे,  
पर सूरत संवारने पर तेरा जोर है,  
खुला आसमान, चांद-तारे चाहत हैं तेरी,  
पर बन्द दीवारों को सजाने पर तेरा जोर है।

सपने देखता है खुली फिजाओं के,  
पर बड़े शहरों में बसने की कोशिश पुरजोर है .....

निक्की भाटी  
बी.ए. द्वितीय वर्ष





## मेहनत

जो तेरे अंदर के साहस को पहचान लेता है,  
कोई है जो तेरे हौंसलों को उड़ान देता है

छुपा नहीं रह सकता किसी फनकार के अंदर,  
हर फन परिश्रमी को, मैदान देता है ...

सिर्फ वही बदल सकता है सपनों को हकीकत में  
जो शख्स जिंदादिल रहकर अपनी जान देता है

किस्मत भी कांप उठती है उस की कोशिशों  
जो शख्स जिंदगी को कर्मों का तुफान देता।

कहने को तो इंसान है सिर्फ मिट्टी का पुतला  
हीरा है, जो तराशने वाले को शान देता है

यू तो कितने इंसान है यहाँ एक ही नाम के  
अमर है, जो मेहनत से नाम को पहचान।



शैली  
बी०एससी० द्वितीय वर्ष

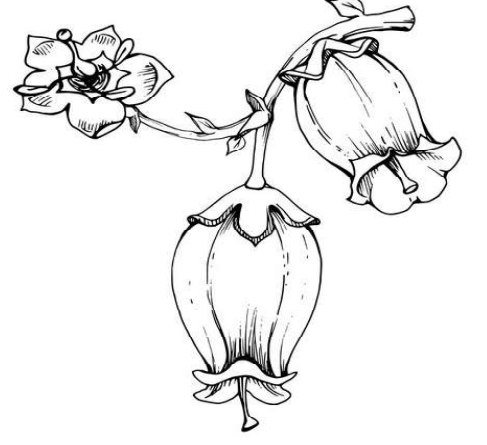


## मंजिल

मंजिल से आगे बढ़कर,  
मंजिल तलाश कर,  
मिल जाये तो दरिया  
तो समंदर तलाश कर  
हर शीशा टूट जाता है  
पत्थर ही टूट जाये  
वो शीशा तलाश कर  
सजदों से तेरे क्या हुआ  
सदियाँ गुजर गयीं  
दुनिया तेरी बदल दे  
वो सजदा तलाश कर



शैली  
बी०एससी० द्वितीय वर्ष



## We are Women

We are love, we are care, we are nurture we are encouragement, we are strength, we are kindness  
We are inclusive, we are endurance and hard worker all to provide for our offspring.

We are the usping away of tears from own unfulfilled yearning of motherhood, as we look after  
and parent the offspring of others.

We are capable of not wanting our own Children but still loving children and spending time with  
them in enjoyment and care.

We have that capacity to love beyond Surnames We are capable of bonds beyond family lies.

We are able to join beyond blood bonds and write beyond differences.

We are time giver, hug giver, love givers Caregivers, advice giver.

We smiled with strength through our sorrows We are amazing being of achievement and skill  
Because of as the world is enating skill.

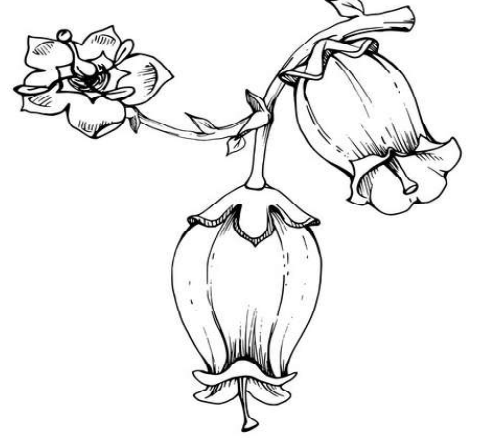
We are all things and a whole words more we are women!

**Neha Vats**

**Assistant Professor**







## Showing the Way

Blessed are the Protesters for they are wailing the talk Blessed are the Martyrs

for they awaken the sleeping Blessed are the scribes for they Reveal the truth

Blessed are the open-minded Whose hearts can feel this truth

We ask for Blessings for The protesters the Martyrs

The scribe, The open minded for they will show the way

Masters Jesus was both protester And Martyr and his scribes preserved

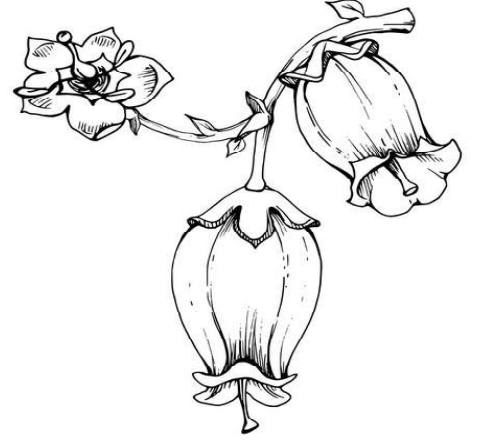
The lesson that we study still Today with open heart and Minds Aspiring To the Christ consciousness

In which Jesus lived

**Neha Vats**

**Assistant Professor**





## Teacher

Teacher is like a lamp

Who is burning himself to radiate the light of knowledge

Teacher is like a flower.

Who gives a scent of education

Teacher is like a cement

Who constructs the foundation of society

Teacher is like a gardener

Who can plant sapling into the sandy trees

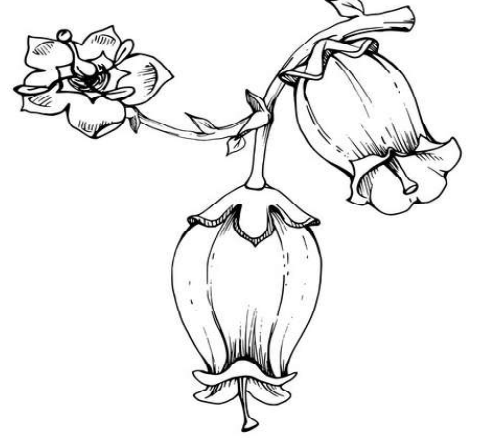
Teacher is like parent

who loves all children equally.

**By : Monika**

**BBA - Ist Year**





## Time and Life

If seven O'clock is present, twelve is future;

both run into the sunset to make it past.

On the morrow, future precedes past which is now present to be future.

The wheel rumbles on

and 'we loot before and after': but we never know what we are after.

**Simran Saifi**

**B.A. - Ist Year**





## A Girl Behind Me

A girl behind me. Laughs with many. Happy with nobody.

She smiles randomly, who know!

She screams sobodly, A girl behind me.

Look her face within the pillow. Saying everything's all right.

The reality she locks her pain and cry all night

A girl behind me say's she dont' care

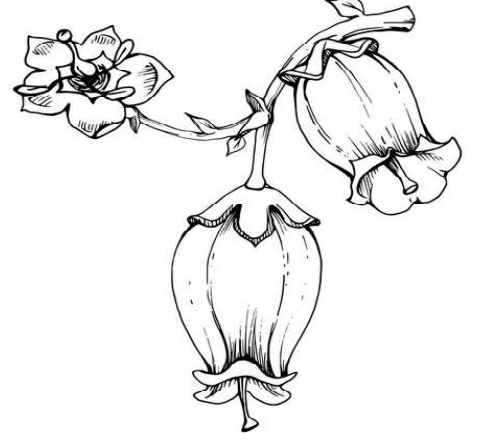
The world says she's rock hearted Who know,!

She brokent inside.

**Sonam Mishra**

**B.Sc. (ZBC) -2nd Year**





## Be Careful

Who you treest,  
salt and sugar looks the same  
Do not let the behaviour of other destroy your inner peace  
by-Sonam Mishra Each new days is a blessing,  
Let go of all worries and be  
gratefull for all the positive in your life.

**Sonam Mishra**  
**B.Sc. (ZBC) -2nd Year**





## About Indian Constitution

In 1930, M.N. Roy was the first person who gave the idea of the constitution which was later declared official by the Indian National congress in 1935 Then, the British government accepted this demand in the August offer of 1942.

For which the constituent assembly was made in 1946 which would work in drafting the constitution.

In 1947, we got freedom from the british rule of over 200 years. We got the Independence but we the partition which made the making of the Indian constitution impossible Even after these difficult circumstances our national leader made the best constitution of the words with 448 articles, 12 schedule into 25 parts and a book of 250 pages, we have the provision in out constitution which make it different and unique in the words.

- \* Longthiest written constitution.
- \* Ingavesfundamentalrightstohecitizensaswallasfundamentalduties.
- \* Hake India a federal republic
- \* Division on power
- \* Independent Judiciary
- \* Parliamentary democracy.
- \* Single citizenship

The Indian constitution is the sum of all good provision of ther contries





The Indian constitution have almost all provision being acquired from other countries.

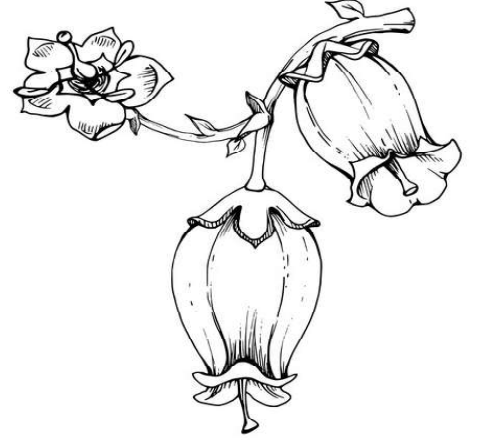
- \* Fundamental rights from American constitution.
- \* Fundamental duties from russian constitution.
- \* Directive principles from Irish constitution.
- \* Single citizenship from canadian constitution.
- \* Supremacy of law from British.
- \* Our constitution was mader under Government India act of 1935 Which was also taken from British constitution.

All this, together make Indian the largest democracy in the world.

**Rakhi Nagar**

**B.A. - Ist Semester**



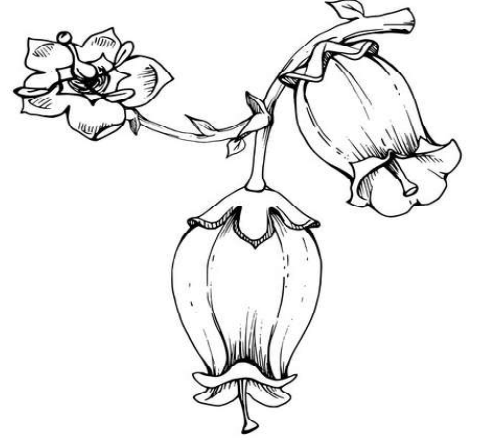


## ABC of Life

- A - Accepts mistakes and try to improve
- B - Be alert and attentive
- C - Control the tongue and anger
- D - Dedication & Devotion are Ruys of sucess
- E - Enjoy every moment of life.
- F - Faithfulness should be your identity
- G - Give respect to all
- H - Help other make yourself happy.
- I - Intelligence should be used.
- J - Judge not and you shall not be judged.
- K - Knowledge is your investment.
- L - Laziness is your enemy.
- M - Make yourself focused.
- N - Not your works Let your action speaks.
- O - Overcome the wil by will power.





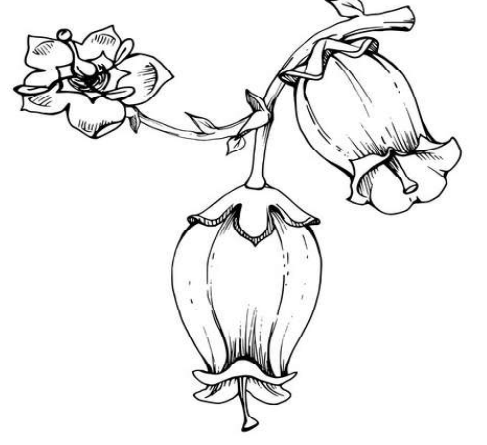


- P - Positive thought is your strengths.
- Q - Questioning is the best way to learn.
- R - Regularity is the essence of daily life.
- S - Speech is silver but silence is gold.
- T - Try your best and leave the rest.
- U - Utilize your potential.
- V - Violence is not to be kept in life.
- W - Wasted time newer returns.
- X - X-ray your mind.
- Y - Youthfulness should be your pride.
- Z - Zero, has value if attached to a digit.

**Monika Bhati**

**B.C.A. Ist Year**





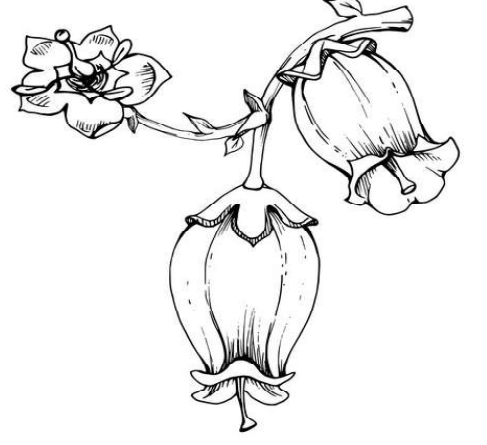
## Why God Made Teachers -by Kevin willam Heff-

When God Created teachers,  
He gave us Special friends  
To help us Understand His worlds And trcely comprehed  
The beauty and the wonder Of everything we see  
And become a better person With each discovery.  
When God Created teachers. He gave us Special guides  
To show us ways in which to grow So we can all decide  
How to live and How to do Whats right instead of wrong To lead us so that we canlid  
And I learn How to be strong. Why God Created teachers, In His wisdom and His grace  
Was to help us learn to make our world A better, wiser place.

**Ishika**

**B.A. First Year**





## Teacher is Rare God

If you are in search of god, find him in your teacher.

If you are in search of treasure, find it in the blessing of your teacher. If you are in search of love, find it in the punishment of your teacher. If you are in search of peace, find it in the preaching of your teacher. If you are in search of shelter, find it in the feet of your teacher.

If you are in search of light, find it in the eyes of your teacher.

If you are in search of success, find it by giving respect to your teacher. If you are in search of happiness, find it in teaching of your teacher.

**Shivani Chaudhary**

**B.A. - Ist Year**





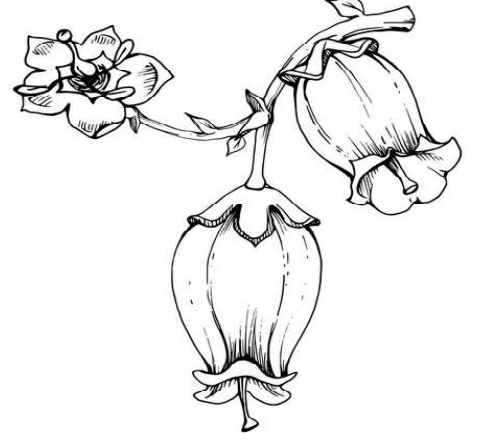
## O Mother India!

“O My nation My India” Want to worship you  
Wants to be struck on you Everything which is mine  
Wants to sacrifice on you way of life it amid you  
Name of your, strength me Fame of your arrogant me  
How I am gratitude to god  
That he gave birth on the planet of your “O India”.  
I always feel to be proud  
That you give me a peaceful place in your heart “O India”  
Always salute you ! Always love you !  
Always salute you!  
Vande Matram.

**Shivani Chaudhary**

**B.A. - Ist Year**





## Women Education

To educate women is to educate a nation Do not deprive the women of education Do let new know what she is to mention wherever she goes throughout the nation.

Let her use skill in estimation.

Let her learn what is real; not hallucination. Give her a change to get that salvation.

Which men do get because of education.

A woman that has much education. Will teach her children motivation. She'll train them to support the nation.

They'll always have the best of intention.

Knowledge is essential in every institution. Their family too needs education

Their women's own is more to mention Educate women save the nation

**Parul Bhati**

**B.A. - Ist Year**





## My Teacher

You are the heart to every classroom The soul to every school.

The mind behind the message That learning is cool.

Your patience and understanding can not be under sold.

Your courage and commitment Is that of legends told.

Each day you teach our children Is a day to rejoice.

Because of you, our children Will have their own voice

So Thank you Dear Teacher For passing knowledge

Through the years

You thought you were merely teaching, When you were eliminating fears.

**Parul Bhati**

**B.A. - Ist Year**





## Fear - Khalil Gibran

It is said that before entering the sea a river trembles with fear She looks back at the path she has traveled, from the peaks of the mountains, the long winding road crossing forests and villages. And in front of her.

She sees an oceans so vast, that to enter

there seems nothing more than to disappear forevern But there is no other ways

The river can not go back Nobody can go back.

To go back is impossible in existence The river needs to take the risk of entering the ocean bacause only then will fear disppear, bacause that's where the river will know it's not about disappearing into the Oceabn but of becoming the ocean.

**Chanchal Sharma**

**B.A. - Ist Year**





## Corruption

Corruption, corruption, corruption

It is now a profession

It is spreading like an injection Needs instant cure and medication

It works like a termite eating everything day and night

It is a malicious cancer deep rooted,

posing a danger we only talk and enquire

that also with no true desire we hardly raise our voice

as if we have no choice root cause are we

not they he or she Let's pledge to fight

to erode this termite. !

**Priya Malik**

**D/o Mr. Devendra Singh**

**B.Sc. - IIInd Year**







**26 November 1949**

### **Constitution Day of India:**

Every year on November 26th, India celebrated constitution Day which is also referred to as “Samvidhan Divas”. to mark the adoption of the Indian constitution.

The constitution of India was enacted by the constituent Assembly on November 26, 1949, and it became effective on January 26, 1950.

### **What is constitution Day ?**

The ministry of social justice and empowerment on 19 November 2015 notified the decision of the Government of India to celebrate the 26 day of November year as **constitution Day of India** to promote constitution values among citizens. The day was previously celebrated as National Law Day.

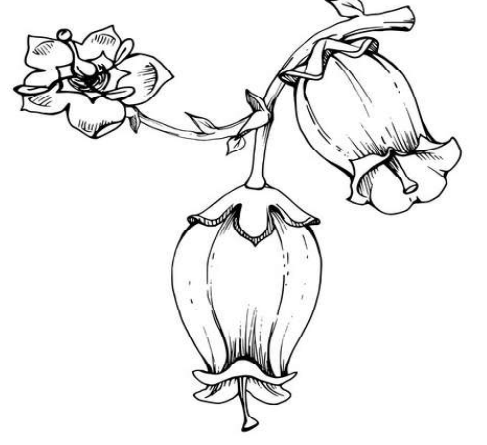
### **Who first wrote constitution ?**

“Prem Behari Narain Raizada” was the calligrapher of the Indian constitution. The Original constitution was handwritten by him in a flowing italic style.

**Chanchal**

**B.A. - IIInd Year**





## My Teenage

The day while my childhood finished,

and suppressed imaginations, playful vision, required me to gain meaningful decision,

Meeting the people going to market, playing the games, resembled different, before it was for joy new for fames, Looking sky finding streggle : night against light;

Moon against cloud; ephemeral stars under dark shroud. Though it was all same, new tough to tackle.

Why it come ?

Present was gone, future in mind

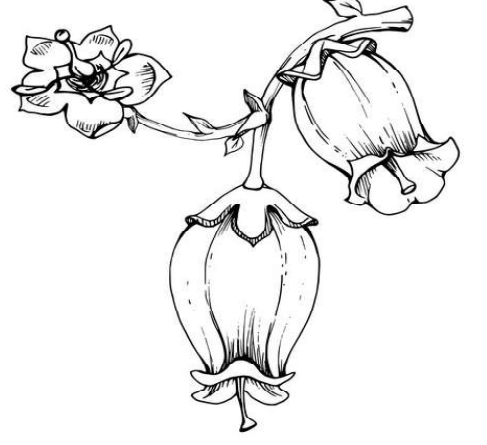
distress was an face, thoughts were grind weakness in body, mind was to shine,

Good and positive notions enjoyged in early sumline, Seeing the one who mode moment Awesome talking the one finished some hesitation, feeling the one made heart blossom Recessing the one filled with depression going throught this period was a great ocassion

**Nitish Singh**

**B.A. - Ist Year**





## A Heaven in the Heart

A boy was very young when he lost: the love of a loving women; together, sunshine of clear down; chirvuping; clear stream and joy of running is.

In the hope a new heaven questing for the spring season, he reached where air blow with posion the Earth loning for the sun where the water unable to enable the fields they say, 'this synthetic place known as cities.

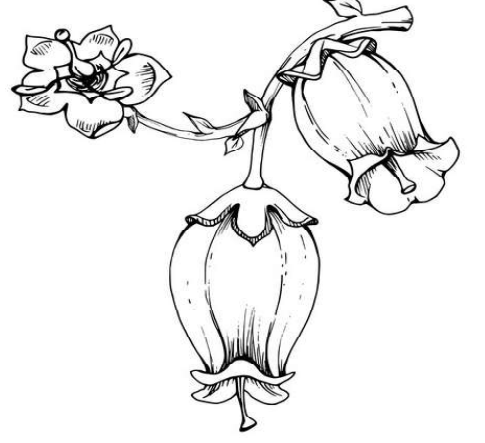
Away from home, here he finding a house midst the myriad masses he felt alone, afraid of being lost with all the places he known All the despondence dissolve him into longing, of that peaceful place which makes him craving, that fragrance fo original soil keeps him moving, though not inhabitant of that heaven.

The heaven inhabitate in heart of this nostalgee man.

**Nitish Singh**

**B.A. - Ist Year**





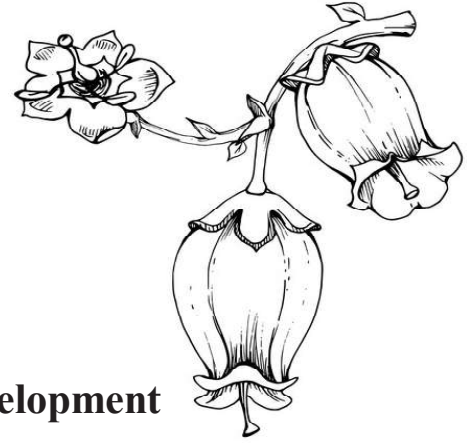
## Dad

1. Could you come back and stay a while I want to hear you voice,  
And see you Smile  
I want to hold your tigght, And never let go  
And tell you how much  
I Love you so much dad.
2. “She did not Stand alone, but What stood behind her,  
the Most potent moral force in  
her life, was the love of her father
3. The power of a dad  
in a child’s life is unmatched

**Anamika Bidhuri**

**B.A. - IInd Year**





## **GST and its Impact in Economic Development of India**

The introduction of Goods and services Tax on 1st of July 2017 was a very significant step in the field of indirect tax reforms in India. By amalgamating a large number of central and state taxes into a Single tax, the aim was to mitigate cascading or double taxation in a major way and pave the way for a common national market.

From the consumer Point of view the biggest advantage would be in terms of reduction in the overall tax burden on goods which was estimated to be around 25 to 30 percent. The introduction of GST would also make Indian product competitive in the domestic and international market. Studies show that this would have a positive impact on economic growth. Because of its transparent and self policing character this tax would be easier to administer.

GST would be application on 'Supply' of goods or Service as against the present concept of a tax on the manufacture of goods.

GST would be based on the principle of destination based consumption taxation as against the present principle of origin based taxation. It would be a dual GST with centre and states simultaneously levying on a common base.

GST to be levied by the centre would be called central GST or CGST and that to be levied by the state would be called state GST or SGST. Union Territories without legislature would levy GST on UTGST.

GST will help to create a unified common national market for India giving a boost to foreign investment and 'Make in India Campaign' it will boost export and manufacturing activity. It will also generate more employment and thus to substantive economic growth through GST the government would improve the overall investment climate in the country and it.



**Anshu Nagar**

**Ist Sem.**



## Equality in the Workplace

Each time our eyes hit the newspaper, the headlines proveke outrage with news of gang rapes, violence, molesta- tions and harassment of women. The species which consists of half of our population is still subject to violence and discrimination. Women continue to live in fear and under the domination of men in present-day India.

When we talk of freedom and independence of the country from the outside forces we are proud of what we have achieved today but women who were equal contributors in teh freedom struggle continue to remain shackled by chains of patriarchal mindset. Women are often demied their freedom of choice. Nobody ask a girl what her dreams are or what role she aspires to play in life. Rather her status is confined to the conventional roles that the society has assigned to her. To make this country a free and injoyable place for women, we first need to empower the police and government in order to provide safe enuironment to women so that they can travel wherever & whenever they want. We also need to improve our law and order situation and get serious about the investigation, prosecution and trials. More inuestment needs to be made in promoting equality and improving ways for women to take a stand for themselves. “Trust your parents, listen to them, No matter what, they have best interests at the heart more than anyone else and love Doesn’t exists Nowadays”.

**Muskan Garg**

**D/o Mr. Deepak Garg**

**B.Sc. - IIIrd Year**





## Beauty is not Skin Deep

“Beauty is not only skin deep” it’s all depends on what type of person you are. We after get tempted by the extrnal appearance of a person. But with familiarity, we soon become aware of the ugly thoughts harboured by that person. Human beings reveals himself through his wards & person.

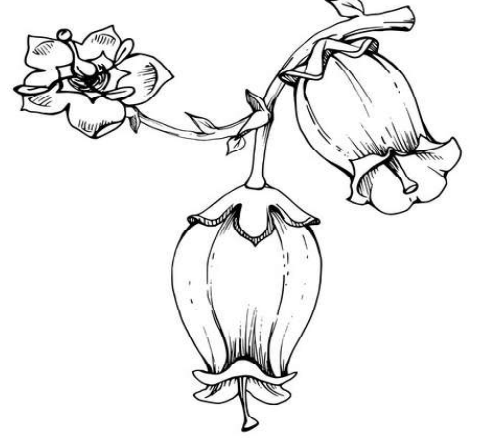
Beauty is all about what is on a person’s insides. An ordinary person is transformed by his inner beauty which is replected in the glow on his face. A beautiful person does not try to change him or herself Because of what others think or say. Showing generasity to others, even to those that mistreat you is a beautiful thing. So in nutshell, the inner beauty of the soul is the real beauty, the rest is on illesion which is deceptive & treacherous.

**Anjali**

**B.Ed. - Ist Year**







## A Note to My Mother

There is Nothing special about you love Mumma. But you ask twice if I'm fine. There is Nothing new in your speech Mumma all I see is concerns.

There is nothing hidden from you Mumma. as you can read my eyes.

There is Nothing North appreciating in you. But Praising you needs a life time.

There is nothing Compared to your love As you under-stand My Words with subtitles And give Me Meddles even when I cause you Troubles.

There is nothing pure in you scolds towards me But you hold tears right after in the corner. There is nothing, nothing that Match your heart.

As it beats and works even when its broken Not a single thing can describe, what you Do, who you are as I know dad's Pray for their child and you challenge god for your kid. You still have the dress, I only used while crying who so holy Mumma ?

Why?

Varsha

B.A. - Ist Year







## Balance Sheet of Life

Our birth is our opening Balance!

Our death is our closing Balance! Our views are our liabilities

Our creative Ideas are our assets Heart is our current Assets

Soul is our Fixed asset Brain is our Fixed deposit

Thinking is our current Account Achievements are our capital

Character and Morals, our stock-in-trade Friends are our General Reserve

Values & Behaviour are our Goodwill Patience is our Interest Earned

Love is our dividend Knowledge is our Investment

Experience is our Premium Account Our Age is our depreciation

And Finally:

Always remeber, God is our auditor

**Sheetal Malik**

**B.Com. - IIIrd Year**





I heard the bells on christmas day. Their old familiar carals play and wild and sweet the words  
repeal of peace oh earth good will to men.

And thought how as the day had come. The belfries of all christendom. Had rolled along the  
unbroken song. of peace on earth, goods will to men.

Till ringing singing on it's way. The world revolved from hight to day. A voice a chime a chant  
sublime of peace on earth good will to men.

And in despair I blowed my head. There is no peace on earth.

I said for hate is strong and mocks the song. of peace on earth good will to men.

The pealed the bells more loud and deep God is not dead. nor doth he sleep the wrong shall fail.  
the right prevail with peace on earth good will to men.

**Ninka**

**D/o Mr. Manoj Kumar**

**B.A. - IInd Year**





## Here are the Some Lives for Students

Flow the ideas of plain thought,  
Get to the flow and observe, what do you brought ?  
The sance ideas done with skill,  
And the same ideas done without skill.  
Take your time just wonder  
What you have observed and felt,  
Does your mind thunder ?  
The way we live, we won't care skill life.  
How a skill is important in life,.  
The fession ideas is developing,  
A skill model needs a connecting,  
Parameter from natural world with interfacing to human world.  
Time is less, productivity is more  
Eassy an dsmooth life we all need more  
So think your ideas to enlighten tauk,  
Pour into the world with usefeel skill tauk.





## Today I Wrote this Poem

Today I wrote this Poem. but I'm not sure if it good.  
It doesn't have the things My teacher says a poem should  
It doesn't share the feelings I have deep inside of me.  
It hasn't any metaphore and not one simile  
It's missing any narrative.  
Alliteration too  
It isn't an acrostic diamante, or haiku  
There's nothing that & personified It doesn't have a plot  
I'm pretty sure that rhyming is the only thing it's got  
It sure was fun to write it and I think its long enough  
It's just too bad its missing all that great poetic stuff  
Iput it on my teacher's dest  
and wow she made a fuss she handed back  
my poem with an A+++++1



**Neha**  
**M.A. - IInd Year**



## My Life My Way

I an loud!

Morning with the mind, up and down dong its way

What have I become. What have I gained ?

Losing My identity I got swayed But, as they say,

life is about change Picking up something and leaving

Something, on the way yet keep sailing!

Towards my desting, fair of unfair with no time to spare

Transforming myself with the need of the hour

Forcing my way to reach the star Because as they shout

That is what life is all about!!

**Anita Bhati**

**D/o Mr. Vinod**

**B.A. - IInd Year**





## Our House

Our house is a house we built together

We have laid every brick one by one

We have nailed every board one blow at a time

Our house is a house we build together

Every board is not perfect some are not straight

Some walls are built in the wrong place

We must carefully remove those boards

We must carefully remove those walls

We must rebuild them in the correct place

We must replace each board one by one

Until the holes are all closed

Until all the walls are in the right place

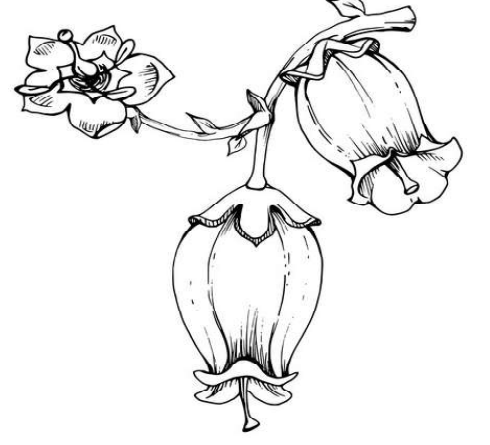
When we finish we can stand back and say

This is our house, a house we built to gether



**Teena Nagar**

**B.A. Ist Year**



## Building A House

Dr building houses there is no end with brick and feelings thoughts and mind,  
Using the universal glue that clings and sticks and binds.  
Lowers spin webs for castles, Conquerors ancestral halls,  
angles their heavenly mansions, demons their prison walls  
Actors that tread the boards And actors on the street  
house studied non to speak their lines and where to put their feet  
Each is his own creator and jostles with the croud  
entangled with his own conceits  
by turns both arrogant and coused.

**Tanu Nagar**  
**B.A.-Ist Year**







## Fountains of Gold

Cavalier like the fountains of desire she squirts untill the bed in soaked, I lick your wet high heels lost in your silk stockings your garter belt my sweet prison she walks like the towers of Rome My words swim in her tubes. Her Pedicure red as passion My Passion shall never die for you.

You are my Monrose Let the bland be jealous

We are lovers beyond fire

How I Love her warm fountains

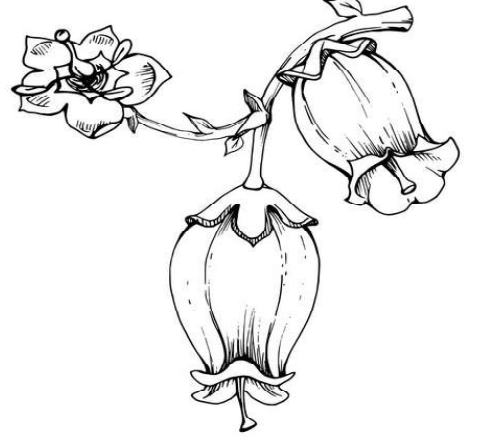
My wet beard alive with her femininity Fountains of golden love.

Sachin

B.A. - Ist Year







## House and Home

A house is not a home  
Is what has oft been said  
When cene shares it with no one

And is all alone in stead  
But home does not a house make  
for without walls there is a place

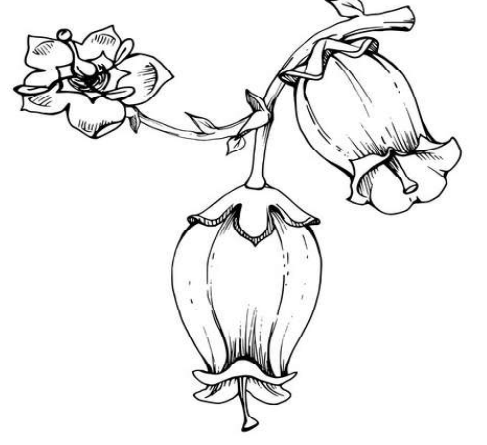
Nor is there shelter over  
When theres no rool for covea.  
So whether in solitude or company

In real life or fantasy  
Both home and house in kind  
Need more than frame of mind.

**Sana Saifi**

**B.A. - Ist Year**





## Self-Discipline

Now is the time to fast, abstain from eating meat and full meals. My stomach cries so loud deafening my ears, I hunger so badly so badly! The chance to find something to fill this souring intestine is so untamed.

But when the bread appears, blinding my eyes, blocking my soul a very enemy of mine is Myself and flesh!

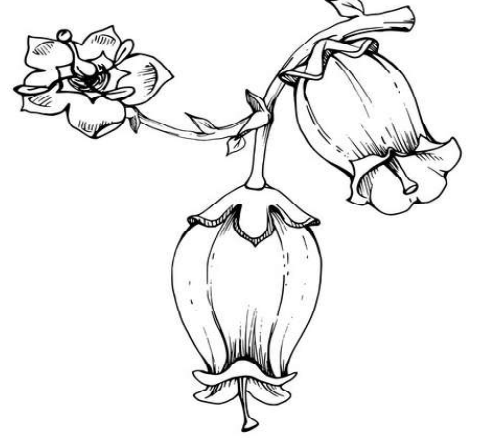
This is a hard challenge for me, a combat I barely win!

It is a vice, eating too much ! It's a bad habit I have, I can't fight! I always lose, I'm weak, I'm lame, and prone to fall. It is a prohibition that I am required not to eat too much, since it is Lent-the time for fasting and abstinence! But this so aching stomach, accustomed to being full and satisfied, brings my soul to Death, Lame and dead am I without self-discipline!

**Khushbu**

**B.A. - Ist Year**





## Time Goes On

How is disappear, It's completely gone.  
It has been half a year, Half of that was wrong.  
It felt like a long time, To be talking for awhile.  
Outside beyond our minds, It's long between the miles.  
LDR, that's what it's called,  
What this was, it's partially true.  
In everything, you give your all,  
Loyalty and other things too.  
Now it's not the same, It wan't ever be in life.  
No one is to blame,  
But pride, emotions, and strife.

**Komal Nagar**

**B.A. - Ist Year**





## Mother of Gold

Mother of gold  
For all the riches you brought  
The diamonds you hold  
A ruby for your thought

There's is not any other  
That can sparkle and shine  
As a special mother  
with love divine The cry stals you own

The radiant gleam  
Like a treasure unknown  
As though a queen  
Your a mother of gold Know that I do

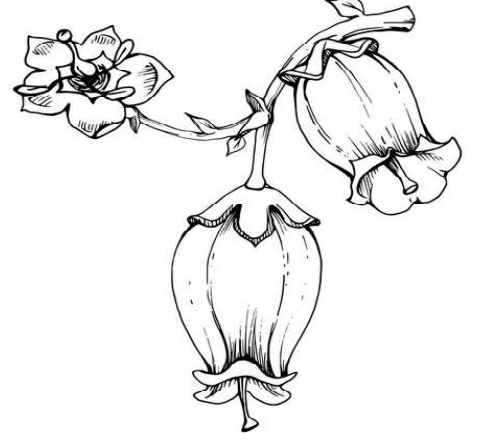
with treasures untold No other than you.

**Deepansh Nagar**

**S/o Mr. Sunil Nagar**

**B.A. - Ist Year**





## Mother

Mother Like on other

Compared to you, there's no other for your love is without brother

As many find solace under your feather Mother Like on other

My epitome of strength and power

A rare gem of inestimable value you are! So loving and so kind

You have of gold none can contend.

Mother like no other

An angel in human nature

with enduring patience and inner strength And of course, the way of the lord

A mother with so much care In Your mind, there is no peer

Thanks for the sacrifices mother None of which we can repay

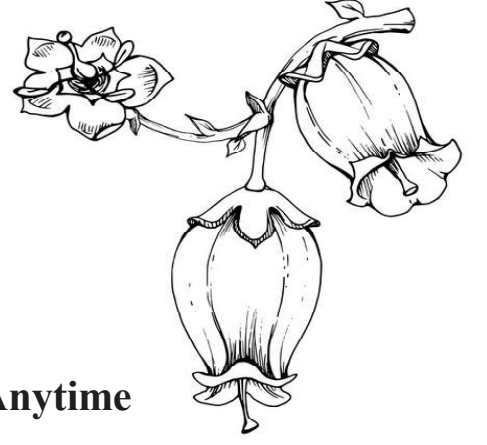
For your worth is for more than rubies Blessed we are for having a mother like you Mother compared to you, there is no other

**Sonu Nagar**

**D/o Mr. Virendra Nagar**

**B.A. - Ist Year**





## A Teacher-A Student Relationship Anytime

Only mutual respect is that pretty relationship between a Teacher and This students simply because without any kind of respect there is no pretty relationship between both of them.

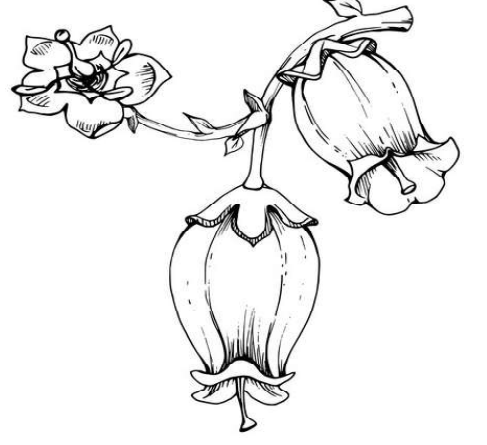
It's a pretty and True formula, to have that great relationship far. The sake of pretty knowledge And for the sake of the coming days of life.

A Teacher does his pretty best and A student does his best of best to have that pretty and brilliant atmosphere unit that pretty graduation happens. self. Respect is Added. to any relationship so. Everyone knows his job or her job very well.

**Anu Tiwari**

**B.A. - 2nd Year**





## A Sonnet to Society

Ephemeral expovnding of the real:

More nopeless than sad abature. I wish people would preen themselves and slowly heal, without some needless and agathic skirmish.

I walk in strange despair, but why the world Is jocund quite: has no idea at all; Shall wait until the doom has really unfurled-till then on, savor the impending fall!

Lukewarm, small tete-a-tete among fremd strangers-none shall know anyone. woods, rivers, nills, Just places not to be, just ratting dangers to the created solitude, health rills.

The children have their nands held out, go on, Go on, hold them before they are all gone.

**Abhishek Vats**

**B.A. - Ist Year**







## Punctuality

Man naturally loves delay

And to procrastinate Business put off from day to

Is always done too late Let every hour be in its place

Firm firud, nor loosely shift And well enjoy the vacant space

As though a birthday gift And when the hour arrives, be there,

Where' er that "three" maybe Uncleanly hands or ruffled hair

Let no one every see If dinner at "half past" be plced

It "half past" then be dressed If at a "quarter-past" make haster

To be down with the rest Better to be before your time

Than e'er to be behind

To ope the door while strikes the chime

That shows a punctual mind.

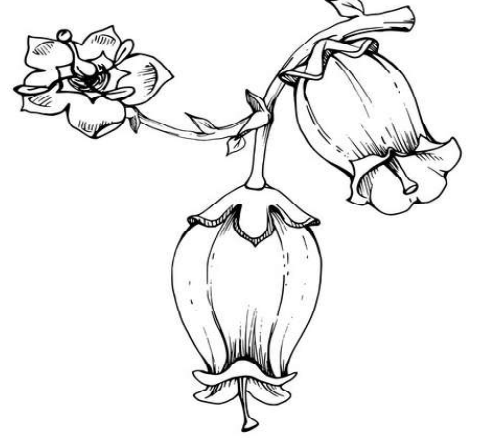
**Esha**

**D/o Mr. Alauddin**

**B.A. - IInd Year**







## Oh My Teacher

Oh, My Teacher,

On this Earth, the best creature

you make us laugh when will are sade

And help us when we are bad on my Teacher with many special features

you are at times so funny just like bugs of bunny

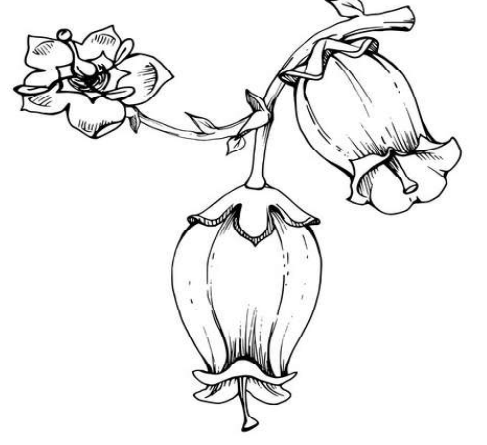
oh, my Teacher

The requeste of God's creations for me you are tonic of happiness which remoues all my sadness

**Prerna Nagar**

**B.A. - Ist Year**





## Mathematics of Life

Mathematics is a subject that make me sick but with it,  
we can make fun if me sick to ponders its sperations and options  
to find every answer to every questions.

But in real life, its full of mathematics.

As me try to discover many semanties of realities me want to apply subtraction. Specially when  
pains is our dominion.

But when joy is in our heart, its fantastic and me want to add more fun in our statistie while some  
of us dimide as they confide The joy of their heart to other with pride.

When me lone someone, we turned frantic and me multiPHY our effort to be bornbastic but often  
we turned out to be problematic. For not everything we wanted is automatics.

Writter for a friend's requirement in her mathematics subject.

MELVIN BANGGOLLAY

**Geeta Sharma**

**B.A. - Ist Year**





## **Problem of Unemployment “An ‘Unemployed’” Existences is a Worse Negation of Life than Death Itself.**

Every time Indian government has been tackling unemployment as one of its targets. Every political party makes removal of unemployment as a plank of its manifesto yet year by year the problem is getting worse and worse.

The Janata Government in 1977 promised to eradicate unemployment in ten years. They based their hope on the Gandhian method of cottage industries and small scale industries “Choudhary Charan Singh’s approach also was to bring prosperity to rural India by attaching greater importance to agriculture and developing rural arts and craft.

Unemployment is a great curse in India. Millions of people both educated and uneducated are condemned to enforced idleness. There are no reliable statistics about the number of unemployed people. Also there are tens of millions of the under-employed mostly in the country side. Then there is disguised unemployment such as overstating of officers factories etc.

That is employing more hands than are needed just to provide employment.

To solve the problem of unemployment is in the interest not only of the unemployed but also of the community and the country. An idle brain is the Devil’s workshop having nothing to do after completing one’s education is heart breaking it breeds rebelliousness anti-social sentiments, frustration and lack of self-confidence.

**Anshu Nagar**

**B.A. - Ist Year**





## Some Thoughts

“Accept your past without regret, handle your present with confidence,  
and face your future without fear.”

“Your future is created by what you do today, not tomorrow.”

“Success is when your signature turns into your Autograph.”

“If you fail, never give up because fail means, First Attempt” in learning.”

“Learning gives creativity. Creativity leads to thinking.

Thinking provides knowledge. Knowledge makes you great”

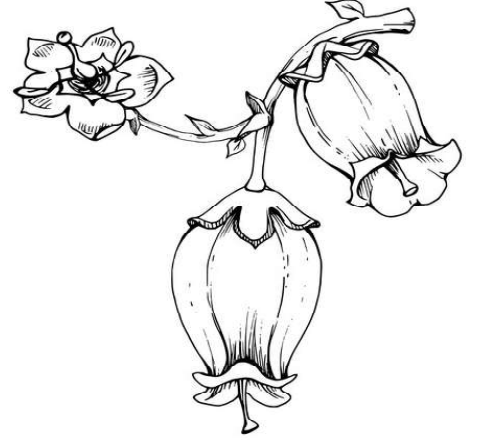
Written by A.P.J. Abdul Kalam

**Isha**

**D/o Mr. Gajraj**

**B.A.-Ist Year**





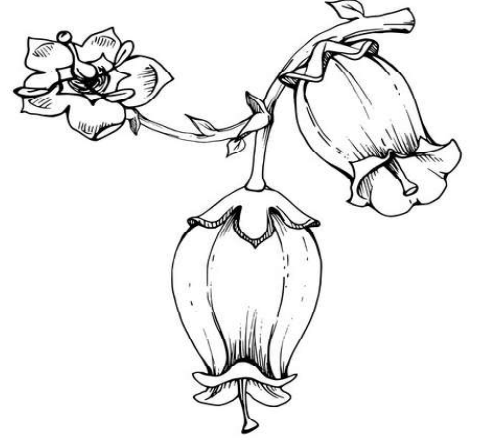
## Cricket and Classroom

Ball	-	Question
Bat	-	Pen
Pitch	-	Note-book
Score board	-	Result
Wide ball	-	Question missed
No ball	-	Hard Question
Sixer	-	Pass
Out of Duck	-	Fail
Spin ball	-	Easy Question
Hit a century	-	100%
Man of the match	-	First in class
Man of the series	-	First in all sections

**Geeta Sharma**

**B.A. - Ist Year**





## Role of Mother in Life

- M - Money and gold can never repay the trouble, she takes in bringing us up.  
O - Onward, we march, under her loving care.  
T - Teacher at every step whether study or recreation.  
H - Herself suffers to make us happy and joyful.  
E - Eager to feed us as best as she can.  
E - Remember her we must, for her love for us.

**Geeta Sharma**  
**B.A. - Ist Year**





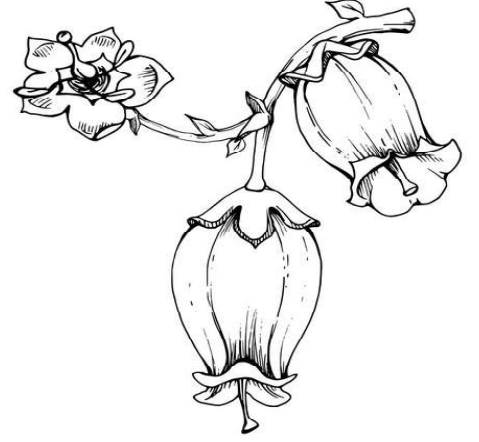
## Qualities of A Good Student

Historically the term student refers to anyone who learns sometings. However, ther recent difnition of a student is that anyone who attends a school college or university. Based on personal experience and research, 1 list down the qualities of a good student.

1. **Attitude** :- Basically, a good student should posses the abillity and willingness to learn new subjects even the subjects are nor intersting.
2. **Academic Skills** :- Acquiring, academic skills is the most important quality of a goods student. Ability to read comprenesively, to write effectively, to sheak fiuently, and to communicate clearly are the key ares in which a good student must be proficient.
3. **Ability** :- A good student should have the ability to apply the hesutis of his or his or her learning to achieve the desired in creative ulay.
4. **Prcenliseness** :- How well a student can interpret and percive meanings from a conversation greatly, determine the quality of a goods student A Good student always perceives right meaning from conversations but an average student often misunderstands the original thoughts of a speaker or write and derives a wrong condusion.
5. **Self discipline** :- Discipline in managing the time is an important factor that every good student must possess. often, delaying, the taks, such as writing, assighments, impact the abillity of a student to deliver the goods.
6. **Understanding rather than memoring concepts** :- A lot of survery suggest that students must under standing the concepts sather than just memaize them. The memoized facts and theories will stay in students mamory untill they loves the school, college or University. Once out of







school the student will totally forgets the core concepts that they have learned. A good students always understand insted of memorizing the concepts.

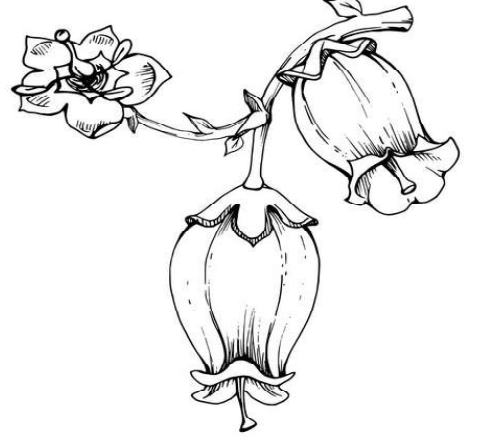
7. **Behaviour** :- A students should have to know how to behave with his or her mates, teachers parents and elders.
8. **Asking doubts** :- A good students doesn't hesitate ask questions in order to clariby his/her doubts.

**Aarti Sharma**

**M.A. - Ist Year**







## Inspiration Light

Each morning is a blessing A sunrise that we' earned Another day to live again Another lesson learned

A time to Share a precious smile A time to touch some one

To accept all that is given While we reach out to the sun

There's a world of wonder around us Embrace its heavenly light Deep within we find inspiration A chance to make things right A breath within a heart beat

A tear within a smile

A step in the right direction To walk that perfect mile

All the energy with in us

And the power that surrounds The strength of the human spirit To turn your life around

It is the presence of the moment And the absence of the past

To take the next step forward To the good times that will last To ride the wave that carries us

Through the changing tides of our day To help us float when we begin to sink Or where ever we start to stray

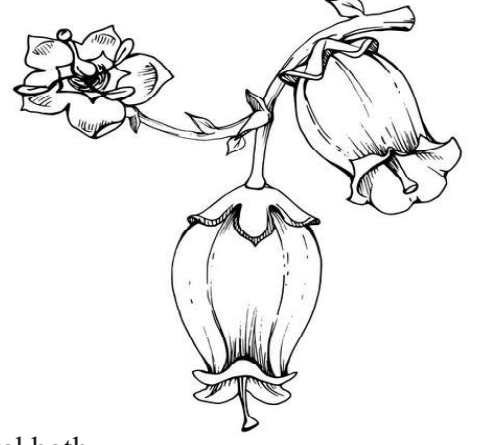
May we find the strength

That lives inside to give us inner sight Basking in the warmth within ourselves.



**Sheetal Nagar**

**B.A. - Ist Year**



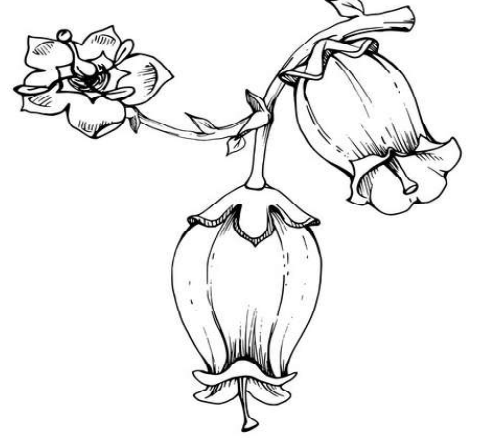
Two roads diverged in a yellow wood, Ad sorry I could not travel both  
And be one traveler, long I stood  
And looked down one as for as I could To where it bent in the under growth;  
Then took the other, as just as fair, And having perhaps the better claim,  
Because it was grassy and wanted wear, Thought as for that the passing there Had worn them  
really about the same,  
And both that morning equally lay  
In leaves no step had trodden black.  
Oh, I kept the first for another day yet knowing how way leads on to way I doubted if I should  
every come back. I shall be telling this with a singh  
Somewhere ages and ages hence: Two rods diverged in a wood, and I- I took the one less traveled  
by,  
And that has made all the difference.

**Adesh Nagar**

**D/o Mr. Maharaj Singh**

**B.A.-IInd Year**





## Demolition

The demolition crews are out And twice this week I saw  
crunching into brick and steal A huge crane's T-rex maw.

And, as God speaks through symbols That mirror truth withen,  
The jaws of mighty Shiva Are what I felt I've seen.

A vision forged in brick and steel For me to contemplate  
Processes of death and birth Directly immanent.

Tomorrow there 'll be rubble where the building stood today.  
And after that some trucks will come And haul the stuff away.

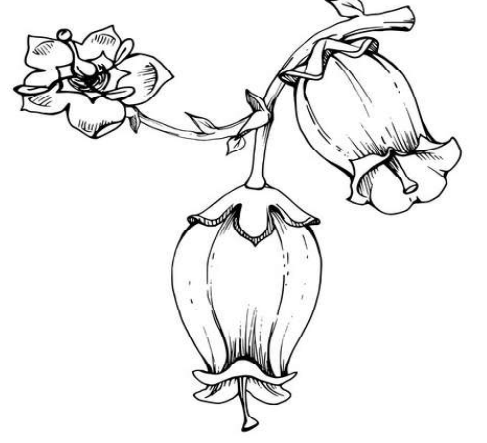
Then the construction men will come. A scaffold will arise  
Then, in a year the opening of some new enterprise.

The skyline of the mind Adjusts to what see.  
I'll scarce be able to recall The way it used to be.

**Nahid**

**B.A. - Ist Year**





## Life

Life is an opportunity, benefit from it Life is Beauty, Admire it

Life is a dream, realize it Life is a challenge, meet it Life is a duty, complete it

Life is a game, play it Life is promise fullfill it

Life is sorrow, overcome it Life is a song, sing it

Life is struggle, accept it Life is a tragedy, confront it Life is a adventure, dare it

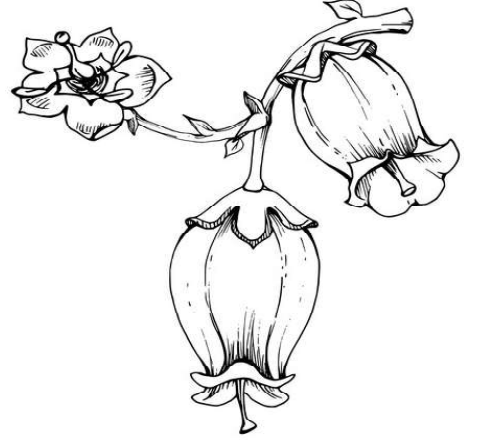
Life is luck make it

Life is too precious, do not destroy it Life is life, fight for it.....

**Sonika Nagar**

**M.A. - IInd year**





## Mazine Teacher

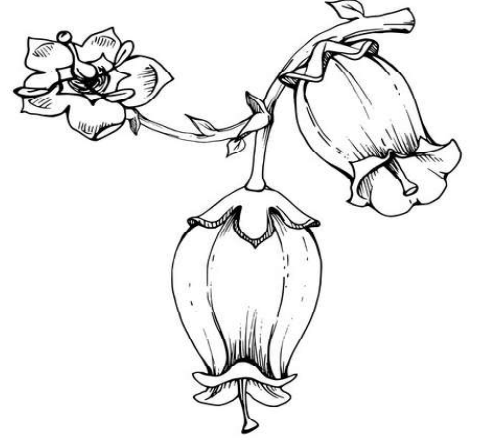
1. Good Teachers are the reason why ordinary Students dream of doing extraordinary things.....
2. Education is not the filling of a pail, but the lighting of a fire
3. Teacher is a person who always helps everybody to get the knowledge and always stands beside the students when they have problem. Thank you being my teacher.
4. The art of teaching is the art of assisting discovery.
5. Teachers, I belive are the most responsible and important members of society because their professional effarts affects the fate of the earth.....

**Sakshi Sharma**

**D/o Mr. Jagdeesh Sharma**

**B.A. - IInd Year**





## Things You can Control

Your beliefs, Your attitude, Your thoughts Your perspective

How honest you are Who your friends are What books you read How often you exercise

The type of food you eat How many risks you take How kind you are to others How you Interpret situations

How Kind you are to your self. How often you say (I love you) How often you say (thank you) How you express your feelings

Whether or not you ask for help How often you practice gratitude How many times you smile today The amount of effort you put forth

How you spend invest your money How much time you spend working

How often you think about your past

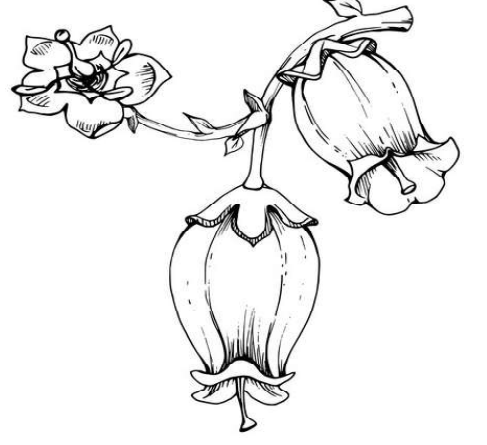
Whether or not you judge other people Whether or not you try again often a setback How much you appreciate the things you have.

**Sunita**

**D/o Mr. Bijendra Singh**

**B.A. - IIInd Year**



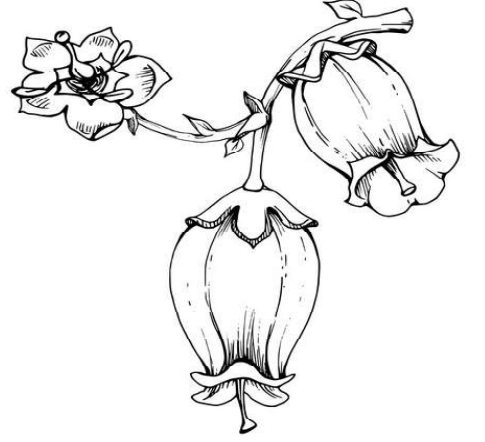


## Thinks About Life

Think about life and all it means  
It's about faith and follow in your drem happiness comes in  
every kiss. of life and love And sweet. pure bliss  
Giving us somthing to think of Remember those days when  
you were a child  
The world was a better place and never changed  
There was love in every smile  
And plans were never riarranged So your a kid and one day  
Youre an adult  
That does mean that there's nothing beautiful left to see.  
The facts of life aren your fault  
And life can be anything you want it to be  
In the circle of life there are Some hard choices  
Just remeber your drem.  
And rember loving voices







Maybe then you 'll see life is not always what it seems.  
It's not the torture of sorrow That comes with every day  
It's the joy of a new tomorrow And the happiness that will come  
to stay. think about life and all it means It's about faith and following your dreams.

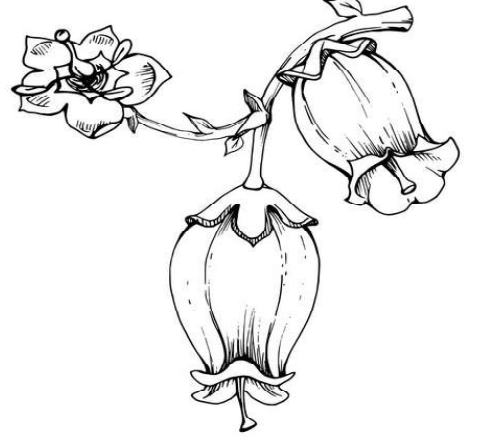
**Mantasha**

**D/o Mr. Yameen**

**B.A. - IIInd Year**







People are often unresanable, imogical and self-centered: gorgive them anyway.

If you are kind,

People may accuse you of selifsh uiteriar motives.

Be kind anyway

You will win some faise friends and true enemis, succed anyway.

If you are honest and frank, People may cheat you,

Be honest anyway.

What you spend years building someone could destory overthing Build anyway.

If you find sorenity and happiness, They may be fealous

Be happy anyway The good you do today

People will often farget tomorrow Do good anyway

Give the world the best you have and it may never be enough

Give the world the best you ve got anyway You see, in the Final analysis,

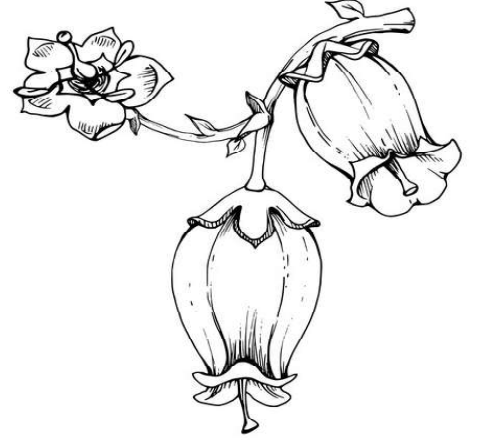
it is between you and god.

it was never beetween you and them anyway.



**Annu Nagar**

**B.A. - Ist Year**



## Education

A Main key to succed in life

A systematic logical process of transfering knowledge A way of comman understanding

A Heart of development

A device that remave all trashes in every mind Indeed my fellow friends

Lets talk about it please Enjoy life in education Whilst out brain still fresh Travelling long  
destances

Getting close to the vivd actions Acqiring knowledge

Through the art of exchanging education Being patient abediens confident

Intens knowledgeable my dear

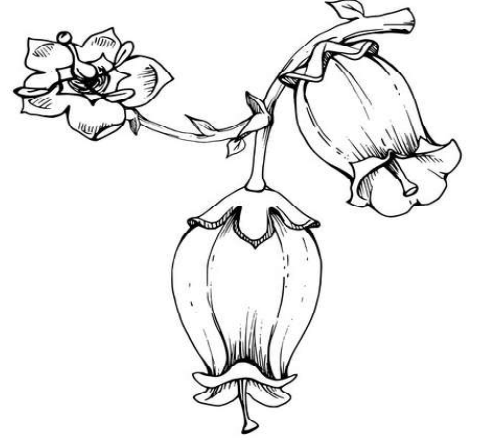
Remember my fellow student teacher Education is a facillitator

The manager in every affice Keeping all sense arange active As an active

**Satendra**

**B.A. - Ist Year**





## A Madrigal

Crabbed Age and Youth Cannot live together Youth is full of Pleasance Age is full of care:

Youth like summer morn. Age like winter weather: Youth like summer brave.

Age like winter bare:

Youth is full of sports, Age's breath is short

Youth is nimble, Age is lame Youth is hot and bold.

Age is weak and cold

Youth is wild, and Age is tame: Age I do abhor thei

You I do adore thei;

O! My Love, my Love is young! Age I do defy thee-

O sweet shepherd, hei thee.

For methinks thou stay' st too long.

**Himanshi Bhati**

**D/o Mr. Kirpal**

**B.A. - IIInd Year**





## Education

1. Education is the most powerful wea which you can use to change the works

- By Nelssen Mandela

2. Education is the manifestain of perfection already in man

- By Swami Vivekanand

## Poverty

Poverty is the most worst form of violence

- By Mahatma Gandhi

## Enviroment and Climate Change

Their is sussiteiency in the world for mans need but not for mans greed

- By Mahatma Gandhi Children

Children is the father of mans

- By William Weerd's werth

If we have to bring real peas in the world we must being with children

- By Mahatma Gandhi





## **Grenak Equality with women**

I leasure the progeree of a community by the degree of pregerss which women have achieved

- By B.R.Ambedkar

## **Democracy**

Revolutiene are the leckmotives of History

- By Karl Marks

History repeels its iphelp firaist as tragety-Second as a sorce

- By Karl Marks

## **Science and Tec.**

Human stric must prevail over technology

- By Alvert Einstein

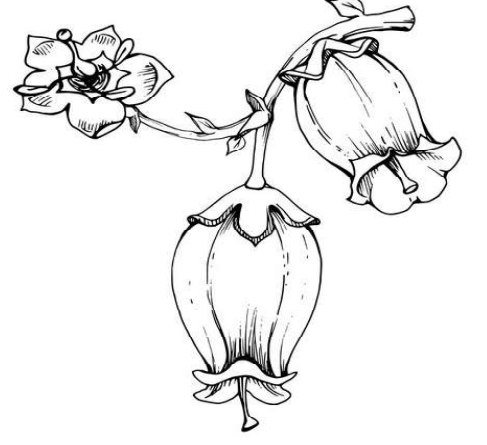
The internet is becoming the town squair for the general of tommorow

- By Billgates

Soniya

B.A. - IInd Year





## My Father

1. My father is my hero and is the best person in My Life.
2. He is the one whom I look to for all my desires and dreams.
3. He faces all the difficulties without letting us know any of them.
4. My father is the one whom I go to when I can't handle anything in life.
5. He is one who has taught me all the good manners and ethics in life.
6. He will guide me in every decision of my life.
7. He loves all of us very much and we also love him very much.
8. They fulfill all the needs of our family.
9. My father is a disciplined person, that's why he works on time.
10. After coming home in the evening, they help me with my studies.
11. My father takes us on a picnic every month. My father is the best father in the world.
12. My father always believes in me.
13. He does hard work daily for us.
14. He really loves us and I really like him so much.



Soniya

B.A. - Ist Year



## My Mother

My Mother is the most important person in my life. She does everything for me. She is very adarable and carning. My Mother is a house wife. She is one of the people I respect and love the most for me. My Mother is the best mother in the world My Mother is kind-hearted my mom is the perfect mom for me she helps me in lots of little ways but also help me in very big ways. She always sets a good example and makes my home a happy place she is hard working. tough loving upbeat and always gets the job done fast. She is tough because when she gets hurt she still stands strong she loves her family and would do any thing for us. She is fun and loves to dance which is very entertaning to watch. Because me and three of my sibbias have celiac Disease. We can't eat anything with gluten. Mother are nert to god. It is a true saying my mother is the greatest gift to me by god. She is medicine in sickeess. Source of inspiration in failure, food in hunger and comfort in pain she is my first teacher My mother is a great person for me. My Mother is the most important person in my life.

Priya

B.A. - Ist Year







## Fear (Khalil Gibran)

It is said that before entering the sea a river trembles with fear.

She looks back at the path she had traveled, from the peaks of the mountains  
the long winding road crossing forests and villages.

And in front of her,

She sees an ocean so vast, that to enter  
there seems nothing more than to disappear forever.

But there is no other way. The river can not go back.

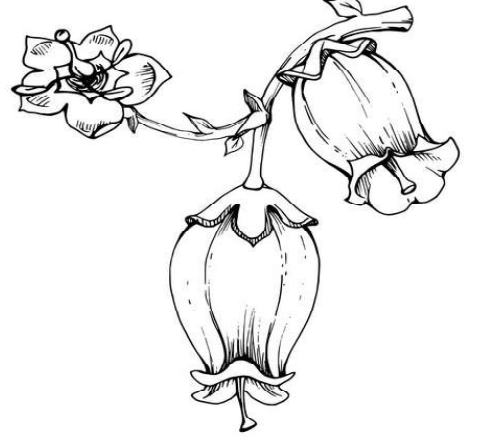
Nobody can go back.

To go back is impossible in existence.

The river needs to take the risk of entering the ocean because only then will fear disappear,  
because that's where the river will know It's not about disappearing into the ocean, but of becoming the  
ocean.







## My First Day at College

It is an important event of my life. For me it's an unforgettable day. I was most curiously awaiting for that day. There are so many new and unknown faces for me. I experienced some very strange things in the first day of my college. I found all the newly admitted students in the college. I moved to the round of the college library where was a lots of new books as well as novels. Which I like the most to read in free time. I found a nomely atmosphere there.

I felt so much fortunate to have a student life. There's teacher staff is more supporting and easy to available. It was very good day for me that I got new friends there. we had intewduced to each other. I just can't forget the first day of my college.

**Nikita Nagar**

**B.A. - Ist Year**





## The Vacuole of My Life

I went to a forest It was years back

On the flowering of My youth The forest taught me Love

Something is missing in my life

So i went back to the forest hoping for a filling of this vacuous thing the forest is dead all trees buried building roese like toothpicks road wind like scribbling of an overactive child they tell me the answers are written by the neon light I must immerse to the noise of the new civilization.

I have not adjusted to the change and So I went back home

to this place where i sense I belong the vacuole of my life

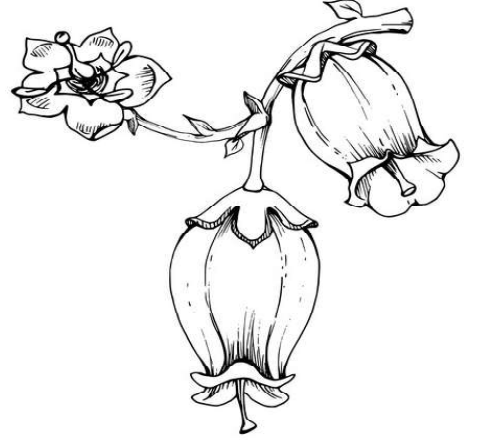
grumbles like an empty stomach it has learned to live

emptiness upon emptiness it greedily eats.

**Tanu Nagar**

**B.A. - Ist Year**





## Human Values

True, I do have a concern For human values

As a human

I trust an others,

But while hurting them

I control my emotions and sealize....

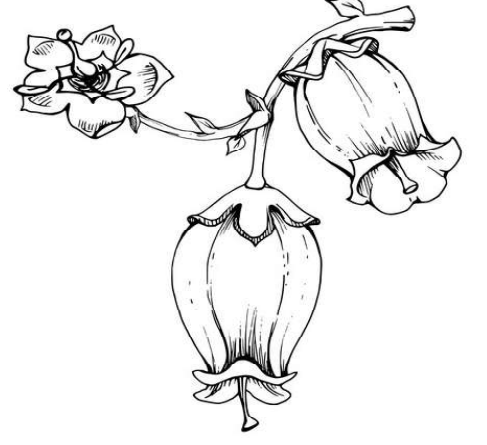
To the best of my ability

I am here to protect humanity

**Riya Sharma**

**B.A. - Ist Year**





## Why You Hurt Them ?

They are the gift of god or they are the god for us....

I respect my parents

But always concern about their priority as a parents

They gives their whole life in making our life.

Why you are hurting them Saying No to them

Even they wish to your success always Love them

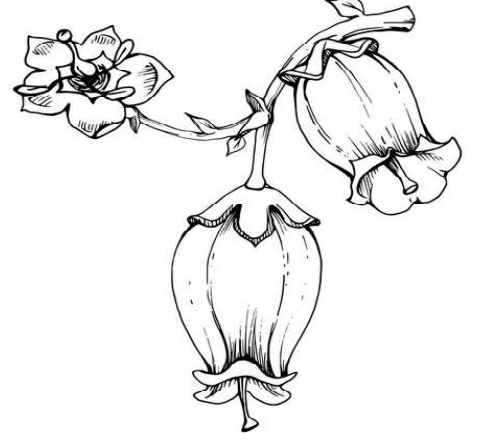
Care them Respect them

As you also wants from your loved ones....

**Riya Sharma**

**B.A. - Ist Year**





## Education

For some it is a privilege For others it's a right  
The difference between darkness And a future that is bright  
Some will think a burden where others see a gift  
The key to moving forward And to give your life a lift  
If school is not your calling Look beyond its doors  
The world can be a teacher Many adventures are in store  
As long as you are learning Your education grows  
That will lead to wntsibutions  
As you shase the things you know.

**Riya Sharma**

**B.A. - Ist Year**

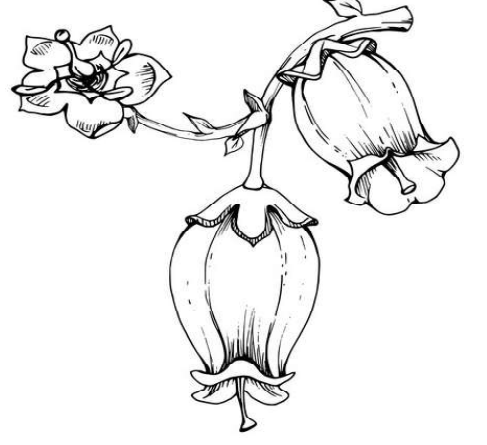




When a father gives to his son, both laugh;  
when a son gives to his father, both cry.  
There is nothing either good or bad but thinking makes it so.  
God has given you one face, and you make yeares & another.  
The course of trae love never did run smooth.  
Saspicion always haunts the guilty mind.  
Hell is empty and all the devils are here.  
Love all, trunt a few, do wrong to none  
If music be the food of love,  
play on Listen to many, speak to few  
The wheel is come full circle.  
William shakespeare.

**Nitesh Singh**  
**S/o Mr. Niranjana Singh**  
**B.A.-Ist Year**





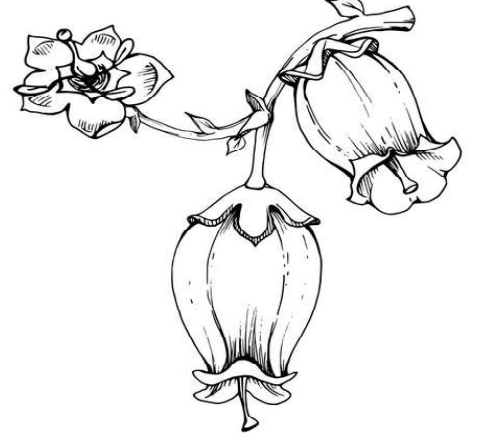
## A Girl

There was a this girl, I used to know  
She never let her feelings Even show.  
But that girl changed her friends So but that was the end,  
of My little friends She now says her life rots  
And when she looks in the mirror She wants to chuck  
So she should  
for she left behind this hurt the hole in My heart where She used to go.  
But I guess she is more important that I And that really makes me cry,  
Cry so much,  
That I cut and I cut and I cut.

**Divya Sharma**

**B.A. - Ist Year**





## What A Blessing

It is indeed a blessing when Prayer journals can remind  
A christian saint to pray again And thus help all mankind  
An so, I gave at the office, I got it sent in time,  
yes, what a blessing this is!  
It's beautiful. sublime!

Denis Martindale Sunday 22 October 2017.

The Gospel poem was shared on Revelation TV's Church without walls, on Sunday morning on the 22nd of october 2017, on now to get your very own prayer Journal by Phoning the office.

GOD BLESS YOU AS YOU BLESS GOD!

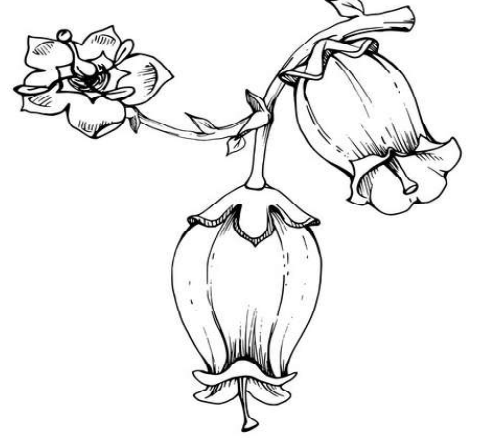
DO SOMETHING SPECIAL FOR HIM...!!

**Ajay Singh**

**B.A. - Ist Year**







## Respectfully

Regarding good works that you do.

Expecting nothing less.

Some times I pause to pray for you perhaps with some success.....

Eventually good things occur.

Come sunsine or come rain Transforming Sorrows to a blur.

for bless yet to rain.... Undoing what our errorg cause.

Love blots out sing and fearg, Look to the lord, for the ensureg

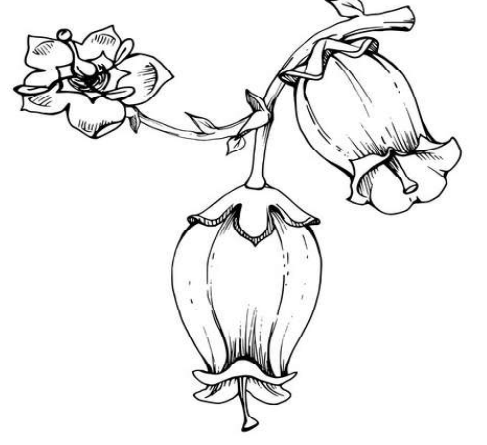
Your fopes and dreams for years.

Denis martindale july 2016.

**Rinku Singh**

**B.A. - Ist Year**





## A Little House we Build Together

We had build this dream house of ours. A little house under the clouds.

with beautiful garden and trees. and five little stars shinning above.

I had never complain along the way.

My tears only flow not because of sadness But seeing the five bright stars play above. Twinkling beautifully, to our atmost happiness.

I had tasted the heat of fire but kept my smiler. Seen droplets of tears fell like rain from your eyes. As we know there is no perfect sky.

Even in full Moonlight, dark clouds do come for a while.

The day will soon come for me to leave.

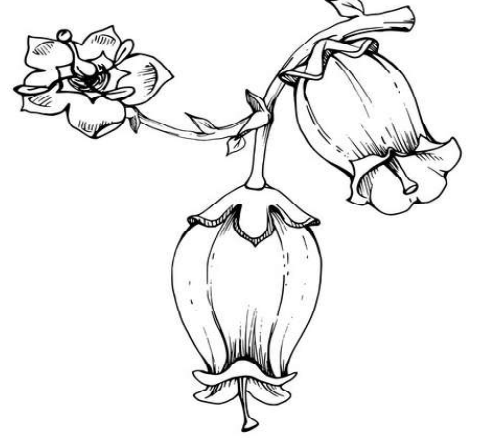
Pray our five bright stars will continue to give for the spirit and love of this little house.

Be a blessing for all. a gift from the sky.

**Simran**

**B.A. - Ist Year**





## Somber, Nostalgic Thoughts

Waves of music flow across the dance floor engulfing everyone in their peaceful and soothing rhythms as people dance. Keeping step and pace all through the night.

Watching from outskirts or along edges of the dance floor, hoping and wishing to join in the fun but having braces on both legs keep this mere poet from dancing nowadays, so Somber and nostalgic have to do in writing.

**Sonam**

**B.A. - Ist Year**





## Building A House

Of Building houses there is no end with Bricks and felling thoughts and mind. using the universal glue that clings and sticks and binds.

Lovers spin wrbs for castles, Conquerars ancestral halls, Angels their heavenly mansions demons their prison walls.

Actors that tread the boards and actor on the street

havestudied how to speak their lines and where to put their feet

Each is his awn creator and jastles with the crawd.

entangled with his own conceits By turn both arrogant and coved.

**Kashish Kasana**

**B.A. - Ist Year**





## Memories

We may complain about our school work.

Perhaps we think our lessons hard.

We much prefer to be out playing.

And running in the big Schoolyard.

But with the passing of the years.

The dearest memories we'll call.

Will be of hours that we have spent  
within the old gray Schoolhouse wall.

We may consider it a trial to have to add a multiply.

And lessons in geography

Bring many a long-drawn, anxious sigh

But with the passing of the years

When time has cast its purple haze.

The memories that we will treasure.

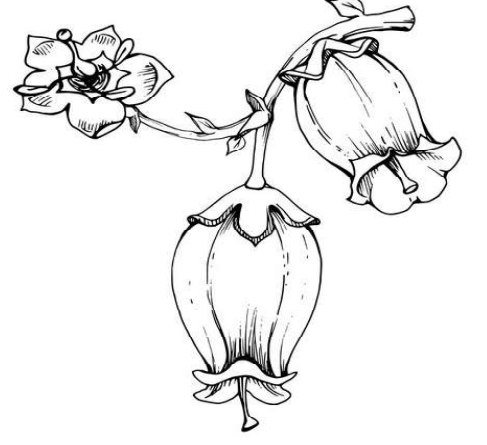
Will be of long-gone, old school days.



**Shaba**

**D/o Mr. Sabir Ali**

**B.A. - IIInd Year**



## 15th August 2021

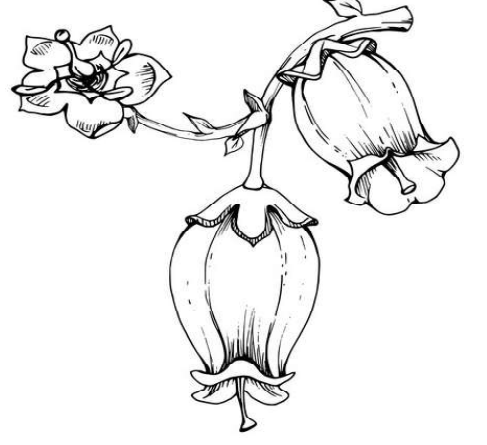
75th Independence Day. In 1947, on this day, India become Independent we won Freedom from British power after a hard and non-violent Struggle. On this day at the Stroke of midnight, Pandit Jawaharlal Nehru, Our first Prime Minister, Unfurled the National Flag at the Red fort for the first time. Independence Day is an important day in the life of every Indian. Independence Day is like the birthday of our country. We celebrate 15th August every year as our Independence Day. Independence Day is observed with great honour at all the government and private institutions, Schools, and colleges, Students take part in parades, sing the National Anthem before hoisting the National Flag. Reminds us of Our great freedom Fighters who.

**Anju**

**D/o Mr. Vinod Kumar**

**B.A. - IIInd Year**





## Parents

Holding your fingers, I learned to walk

My little Pratts.

Turned to talk.

Teaching me good deeds.

Fulfilled all my needs Sometimes you scolded me Sometimes you emboldened me

No Matter now much I annoyed you Your efforts made me a good girl

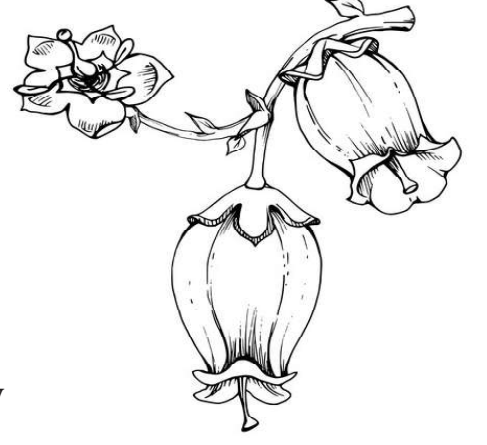
You filled my life with joy agains and again my moments of sorrow with smiles and pain

you are parents of great kind. No child would ever find.

**Nidhi**

**B.A. - IIInd Year**





## The Mornign Shows the Day

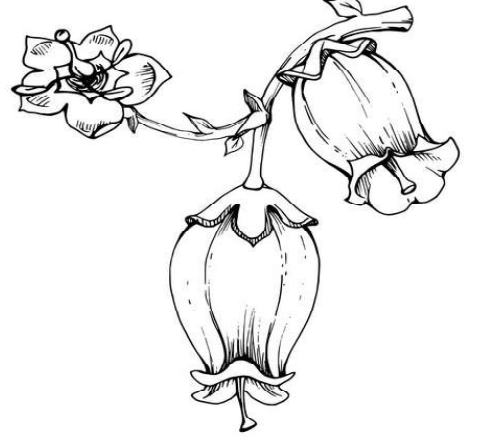
The morning shows the day It's what everyone says,  
life tables us to a new night where we earn to do things right  
Follow your goals what every may come  
Eliminate your douldts if you have some  
Welcome eady-day with a new rope  
News & top believing you have lots of scape  
Pray he number and wise  
It will help you grow and rise  
As morning shows the day  
brining off ortunities along theway.

**Nidhi**

**B.A. - IInd Year**







## What is Friendship

Friendship is a Promise Spoken by only heart, It isn't a pledge.

It isn't written on a paper.

Friendship is a promise.

That is renewed every time,

Two friends meet and Smile,

and enjoy good times that come, by simple being together.

It is a promise to share Both glad and Sad times.

A promise to think each other fondly, whether near or far apart.

Friendship is a promise, Spoken by only heart,

A promise that is always. Kept by love.....

**Sarika Bidhuri**

**B.Sc. - IIInd Year**





1. "Happyness is found  
When you stop Comparing  
Your self to other people"

1. खुशी तब मिलती है  
जब आप अपनी तुलना  
लोगो से करना बन्द कर देते हैं।

2. "One small thought  
in the morning can.  
Change your whole day."

2. सुबह का एक छोटा सा  
विचार आपका पूरा दिन  
बदल सकता है।

3. "Be a good person,  
But do not  
Waste time to proveit".

3. एक अच्छे व्यक्ति बनो  
लेकिन इसे साबित करने के लिए  
समय बर्बाद मत करो।

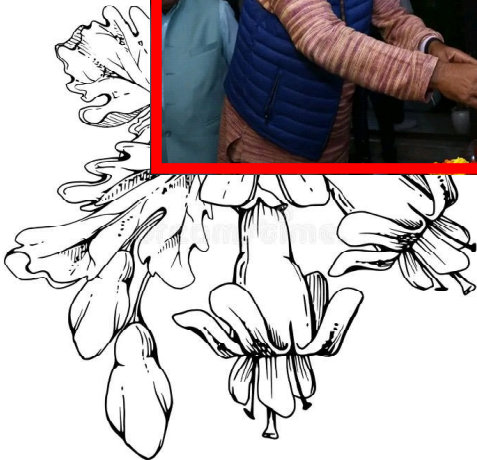
4. "Keepgoing Everything  
will come to you  
at all perfect time.

4. बढे चलो सब कुछ  
सही समय पर  
आपके पास आ जाएगा।



**Annu Nagar**  
**B.A. - Ist Year**

## महाविद्यालय झलकियां





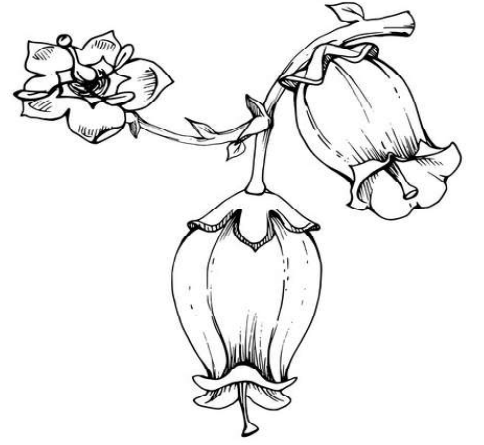














# एकलव्य वाणी



## श्री द्रोणाचार्य (पी.जी.) कॉलिज

—: कॉलिज कोड (038) :—

बी.ए., बी.कॉम., बी.एससी., (PCM & ZBC), बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी.एड, एम.ए., (हिन्दी और अंग्रेजी), एम.कॉम  
कालिन्दी मार्ग (निकट स्पोर्ट्स सिटी) दनकौर (गौतम बुद्ध नगर) उ०प्र०  
सम्पर्क सूत्र : 8191006001, 8954892270

Website : [www.sdpg.in](http://www.sdpg.in)

| E-mail: [sddcollege97@gmail.com](mailto:sddcollege97@gmail.com)